

श्री वि. सं. २०३३ शाके १८९८ (नेपाली सं. १०९६ चौलाश्व) चैत्र शुक्ल उत्तरायणं वसन्ततुः पा. उ.फा. (सन् १९७६ अप्रैल)

| | | | | | | | | | |
|------------|----------|---------|--------|---------------|-------|---------|--------------------------------------|---------------|-------------------------|
| मं. १४३६१४ | ल. १७३२ | ध. ३४३३ | ग. ११० | धाता कं. ३१३७ | ५४११३ | म. ३६१५ | छ. अश्विन्यां १ | मेषेकः १९१३ | संक्रान्तिः (भक्तपुरमा) |
| व. १५३०१० | चि. ५३११ | ह. ४७११ | वि. ३७ | १२ | ५४११४ | म. ३११२ | या. (पश्चि १नं. नुवाकोट् देवीयात्रा) | वालाज्यूमा २२ | ॥ |

| | | | | | | | | | | | | | |
|--------|---------|------------|---------------|---------|--------|---------|---------|---------|--------------|--------------|------------|--------------------------------|---|
| लाभः | कार्यसि | कुक्षिरुक् | श्रीप्राप्तिः | धनला | अलला | व्ययः | लाभ | सुखम् | नृपसुखं | कष्टम् | स्त्रीसुखं | उ.ह.वि. गमनम् | विस्केटको लिङ्गो ढालने) भरण्यां बुधः ३५ । |
| मे | हृ | मि | कं | सि | कं | तुं | हं | पं | मं | कुं | मी | स्वा.वि.अ.ज्ये.मू.पू सुखम् | ऋधारा स्नान । मन्वादि पूर्णिमा अतं हनुमज्जयन्ती |
| व्ययः | लाभः | कर्मप्रा. | कां.लयः | कष्टम् | गमनम् | शत्रुना | दैन्यम् | मा ना. | श्रीप्राप्ति | भयम् | | उ.श्र.ध. पीडा | (वैशाख) श्रीसूर्योत्तरायणे वसन्तर्तौ चैत्र शुक्ल चतुर्दश्यां |
| था ना. | व्ययः | लाभः | कर्मप्रा. | कां.लयः | कष्टम् | गमनम् | शत्रुना | दैन्यम् | मा ना. | श्रीप्राप्ति | भयम् | श.पू उ.रे.स्त्र.भ.... वस्त्रम् | तिथौ हस्त च चित्रे व्याघातयोगे वणिज करणे भौभवासरे श्रीसूर्यो- |
| | | | | | | | | | | | | कृ.रो.मू..... हानिः | दयाद्गत घटीषु १९।३ श्रीसूर्यो मीनान्मेषं प्रविष्टस्तदा चत्रो |
| | | | | | | | | | | | | आ.पु.ति.अ.म.पू धनम् | |

गतो वैशाखः प्रातः । वारतो महोदरा चौरसुखा नक्षत्रतो ध्वांक्षी वैश्यसुखा कालतो द्विप्रघ्नी विषुवती नाम्नी मेष संक्रान्तिश्च प्राप्तेयं-महिषारुढा
उष्ट्रोपवाहना श्यामवस्त्रा तोमरायुधात्रपुपात्र हस्ता दध्यशना यावक लेपा मृगजातिः अकंपुष्पा निविष्टा ज्वरावस्था मरणा भरणा प्रगल्भा आग्नेय-
सुखा मुहूर्ताः ३० धान्यवर्गं वृष्टिषु समफलदा मास देवता मधुसूदनः मासार्को भानुः मेषेसूर्यः कन्यायां चन्द्र मेषेगुरु तिथिवारच्चेति ।

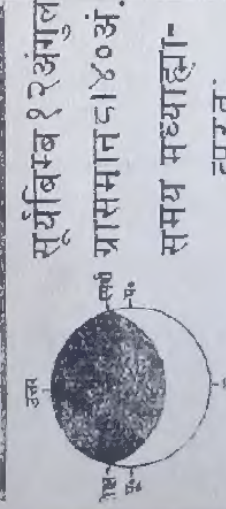
[illegible]

| | | |
|---|----|----|
| २ | १ | ११ |
| ५ | ११ | १० |
| ४ | १० | ९ |
| ३ | ९ | ८ |

| | | | | | |
|------------|----|------|---------------|-----------------|-----------|
| घातः | १ | मे. | महण द्वय फलम् | ७स्त्रीपीडा | ६ मृत्युः |
| क्षतिः | १२ | वृ. | | ५माननाशः | ४ सुखम् |
| श्रीप्रा. | ११ | मि. | | ३ लाभः | ३ हानिः |
| व्यथाः | १० | कं. | | १ घातः | १२ क्षतिः |
| चिन्ता | ९ | सिं. | | ११श्रीप्राप्तिः | १० व्यथाः |
| सौख्यम् | ८ | कं. | | १० व्यथाः | ९ चिन्ता |
| स्त्रीपीडा | ७ | तु. | | ९ क्षतिः | ८ सौख्यम् |
| मृत्युः | ६ | बृ. | | ८ व्यथाः | |
| माननाशः | ५ | धं. | | ७ क्षतिः | |
| सुखम् | ४ | मं. | | ६ क्षतिः | |
| लाभः | ३ | कुं. | | ५ क्षतिः | |
| हानिः | २ | सी. | | ४ क्षतिः | |

श्री वि.सं. २०३३ शके १८६८
वै. कृ अमायां गुरौ (२६ अक्ष
१९७६ ई०)

अस्तास्त खण्ड सूर्यग्रहणम्
मेघ राशौ भरणी नक्षत्रे



| | | | |
|--------|---|----|---|
| स्पर्श | ४ | ४८ | ४ |
| मध्य | ६ | ० | ४ |
| मोक्ष | ७ | | |
| घण्टा | | | |
| मिनेट | | | |

श्री वि. सं. २०३३ शाके १८९८ (नेपाली सं. १०९६ (चौलागा) वैशाख कृष्ण उत्तरायण वसन्ततुः पा. वि. १७ ज्ये. मू. श. म. (अप्रेल)

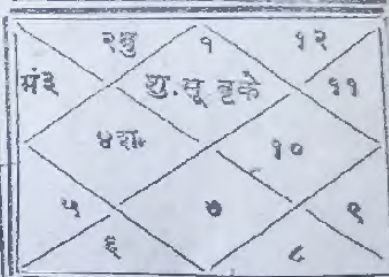
| ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |

(बुँगल्लुर्व) रेवत्यां शुक्रः ३८
 म. ४५।४४ उ. पश्चिमास्तो गुरुः १८।३२ अश्विन्यां २ सूर्यः ४४
 म. १३।५ या. (सकोया) स्वात्यां ४ राहुः भरण्यां २ केतुः २३
 पुनर्वसौ १ भौमः २
 वृषेष्ट्याः ५८
 अश्विन्यां ३ सूर्यः ९
 म. १।३१ उ. ३०।३५ या. त्रिपुंकरः ३७।५४ उ. ५९।४० या. अ
 अष्टमी व्रतम्
 कृतिकायां बुधः ४१ भरण्यां १ गुरुः ४४
 म. ३०।३७ उ. धनिष्ठा पञ्चक प्रवृत्तिः ११।५४ अश्विन्यां ४ सूर्यः ३४
 म. १।३४ या. पुनर्वसौ २ भौमः २०
 वरूथिनी एकादशी व्रतं त्रिपुंकरः ४।३९ उ. ५३।७ या. कृतिकायां
 सोम प्रदोष व्रतं भरण्यां १ सूर्यः ५९ अश्विन्यां १ मेषेशुकः २६।२७
 म. १।३२ उ. ४६।७ या. (माताति चहू पूजा) १२ वृषेष्ट्याः ४५।१८
 दशश्राद्धं धनिष्ठा पञ्चक निवृत्तिः ५।४३
 स्नानदानादौ दशः मातृतीर्थं स्नानम् अस्तास्त खण्डग्रास सूर्यग्रहणं

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० |
|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|
| ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ |
| १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ |
| ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ |
| ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ |
| ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ |
| ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ |
| ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ |
| ९९ | १०० | १०१ | १०२ | १०३ | १०४ | १०५ | १०६ | १०७ | १०८ |
| ११५ | ११६ | ११७ | ११८ | ११९ | १२० | १२१ | १२२ | १२३ | १२४ |
| १३० | १३१ | १३२ | १३३ | १३४ | १३५ | १३६ | १३७ | १३८ | १३९ |
| १४५ | १४६ | १४७ | १४८ | १४९ | १५० | १५१ | १५२ | १५३ | १५४ |
| १६९ | १७० | १७१ | १७२ | १७३ | १७४ | १७५ | १७६ | १७७ | १७८ |
| १८९ | १९० | १९१ | १९२ | १९३ | १९४ | १९५ | १९६ | १९७ | १९८ |
| २०९ | २१० | २११ | २१२ | २१३ | २१४ | २१५ | २१६ | २१७ | २१८ |
| २२९ | २३० | २३१ | २३२ | २३३ | २३४ | २३५ | २३६ | २३७ | २३८ |
| २४९ | २५० | २५१ | २५२ | २५३ | २५४ | २५५ | २५६ | २५७ | २५८ |
| २६९ | २७० | २७१ | २७२ | २७३ | २७४ | २७५ | २७६ | २७७ | २७८ |
| २८९ | २९० | २९१ | २९२ | २९३ | २९४ | २९५ | २९६ | २९७ | २९८ |
| ३०९ | ३१० | ३११ | ३१२ | ३१३ | ३१४ | ३१५ | ३१६ | ३१७ | ३१८ |
| ३२९ | ३३० | ३३१ | ३३२ | ३३३ | ३३४ | ३३५ | ३३६ | ३३७ | ३३८ |
| ३४९ | ३५० | ३५१ | ३५२ | ३५३ | ३५४ | ३५५ | ३५६ | ३५७ | ३५८ |
| ३६९ | ३७० | ३७१ | ३७२ | ३७३ | ३७४ | ३७५ | ३७६ | ३७७ | ३७८ |
| ३८९ | ३९० | ३९१ | ३९२ | ३९३ | ३९४ | ३९५ | ३९६ | ३९७ | ३९८ |
| ४०९ | ४१० | ४११ | ४१२ | ४१३ | ४१४ | ४१५ | ४१६ | ४१७ | ४१८ |
| ४२९ | ४३० | ४३१ | ४३२ | ४३३ | ४३४ | ४३५ | ४३६ | ४३७ | ४३८ |
| ४४९ | ४५० | ४५१ | ४५२ | ४५३ | ४५४ | ४५५ | ४५६ | ४५७ | ४५८ |
| ४६९ | ४७० | ४७१ | ४७२ | ४७३ | ४७४ | ४७५ | ४७६ | ४७७ | ४७८ |
| ४८९ | ४९० | ४९१ | ४९२ | ४९३ | ४९४ | ४९५ | ४९६ | ४९७ | ४९८ |
| ५०९ | ५१० | ५११ | ५१२ | ५१३ | ५१४ | ५१५ | ५१६ | ५१७ | ५१८ |
| ५२९ | ५३० | ५३१ | ५३२ | ५३३ | ५३४ | ५३५ | ५३६ | ५३७ | ५३८ |
| ५४९ | ५५० | ५५१ | ५५२ | ५५३ | ५५४ | ५५५ | ५५६ | ५५७ | ५५८ |
| ५६९ | ५७० | ५७१ | ५७२ | ५७३ | ५७४ | ५७५ | ५७६ | ५७७ | ५७८ |
| ५८९ | ५९० | ५९१ | ५९२ | ५९३ | ५९४ | ५९५ | ५९६ | ५९७ | ५९८ |
| ६०९ | ६१० | ६११ | ६१२ | ६१३ | ६१४ | ६१५ | ६१६ | ६१७ | ६१८ |
| ६२९ | ६३० | ६३१ | ६३२ | ६३३ | ६३४ | ६३५ | ६३६ | ६३७ | ६३८ |
| ६४९ | ६५० | ६५१ | ६५२ | ६५३ | ६५४ | ६५५ | ६५६ | ६५७ | ६५८ |
| ६६९ | ६७० | ६७१ | ६७२ | ६७३ | ६७४ | ६७५ | ६७६ | ६७७ | ६७८ |
| ६८९ | ६९० | ६९१ | ६९२ | ६९३ | ६९४ | ६९५ | ६९६ | ६९७ | ६९८ |
| ७०९ | ७१० | ७११ | ७१२ | ७१३ | ७१४ | ७१५ | ७१६ | ७१७ | ७१८ |
| ७२९ | ७३० | ७३१ | ७३२ | ७३३ | ७३४ | ७३५ | ७३६ | ७३७ | ७३८ |
| ७४९ | ७५० | ७५१ | ७५२ | ७५३ | ७५४ | ७५५ | ७५६ | ७५७ | ७५८ |
| ७६९ | ७७० | ७७१ | ७७२ | ७७३ | ७७४ | ७७५ | ७७६ | ७७७ | ७७८ |
| ७८९ | ७९० | ७९१ | ७९२ | ७९३ | ७९४ | ७९५ | ७९६ | ७९७ | ७९८ |
| ८०९ | ८१० | ८११ | ८१२ | ८१३ | ८१४ | ८१५ | ८१६ | ८१७ | ८१८ |
| ८२९ | ८३० | ८३१ | ८३२ | ८३३ | ८३४ | ८३५ | ८३६ | ८३७ | ८३८ |
| ८४९ | ८५० | ८५१ | ८५२ | ८५३ | ८५४ | ८५५ | ८५६ | ८५७ | ८५८ |
| ८६९ | ८७० | ८७१ | ८७२ | ८७३ | ८७४ | ८७५ | ८७६ | ८७७ | ८७८ |
| ८८९ | ८९० | ८९१ | ८९२ | ८९३ | ८९४ | ८९५ | ८९६ | ८९७ | ८९८ |
| ९०९ | ९१० | ९११ | ९१२ | ९१३ | ९१४ | ९१५ | ९१६ | ९१७ | ९१८ |
| ९२९ | ९३० | ९३१ | ९३२ | ९३३ | ९३४ | ९३५ | ९३६ | ९३७ | ९३८ |
| ९४९ | ९५० | ९५१ | ९५२ | ९५३ | ९५४ | ९५५ | ९५६ | ९५७ | ९५८ |
| ९६९ | ९७० | ९७१ | ९७२ | ९७३ | ९७४ | ९७५ | ९७६ | ९७७ | ९७८ |
| ९८९ | ९९० | ९९१ | ९९२ | ९९३ | ९९४ | ९९५ | ९९६ | ९९७ | ९९८ |
| १००९ | १०१० | १०११ | १०१२ | १०१३ | १०१४ | १०१५ | १०१६ | १०१७ | १०१८ |
| १०२९ | १०३० | १०३१ | १०३२ | १०३३ | १०३४ | १०३५ | १०३६ | १०३७ | १०३८ |
| १०४९ | १०५० | १०५१ | १०५२ | १०५३ | १०५४ | १०५५ | १०५६ | १०५७ | १०५८ |
| १०६९ | १०७० | १०७१ | १०७२ | १०७३ | १०७४ | १०७५ | १०७६ | १०७७ | १०७८ |
| १०८९ | १०९० | १०९१ | १०९२ | १०९३ | १०९४ | १०९५ | १०९६ | १०९७ | १०९८ |
| ११०९ | १११० | ११११ | १११२ | १११३ | १११४ | १११५ | १११६ | १११७ | १११८ |
| ११२९ | ११३० | ११३१ | ११३२ | ११३३ | ११३४ | ११३५ | ११३६ | ११३७ | ११३८ |
| ११४९ | ११५० | ११५१ | ११५२ | ११५३ | ११५४ | ११५५ | ११५६ | ११५७ | ११५८ |
| ११६९ | ११७० | ११७१ | ११७२ | ११७३ | ११७४ | ११७५ | ११७६ | ११७७ | ११७८ |
| ११८९ | ११९० | ११९१ | ११९२ | ११९३ | ११९४ | ११९५ | ११९६ | ११९७ | ११९८ |
| ११९९ | १२०० | १२०१ | १२०२ | १२०३ | १२०४ | १२०५ | १२०६ | १२०७ | १२०८ |
| १२१९ | १२२० | १२२१ | १२२२ | १२२३ | १२२४ | १२२५ | १२२६ | १२२७ | १२२८ |
| १२३९ | १२४० | १२४१ | १२४२ | १२४३ | १२४४ | १२४५ | १२४६ | १२४७ | १२४८ |
| १२५९ | १२६० | १२६१ | १२६२ | १२६३ | १२६४ | १२६५ | १२६६ | १२६७ | १२६८ |
| १२७९ | १२८० | १२८१ | १२८२ | १२८३ | १२८४ | १२८५ | १२८६ | १२८७ | १२८८ |
| १२९९ | १२९० | १२९१ | १२९२ | १२९३ | १२९४ | १२९५ | १२९६ | १२९७ | १२९८ |
| १३०९ | १३१० | १३११ | १३१२ | १३१३ | १३१४ | १३१५ | १३१६ | १३१७ | १३१८ |
| १३२९ | १३३० | १३३१ | १३३२ | १३३३ | १३३४ | १३३५ | १३३६ | १३३७ | १३३८ |
| १३४९ | १३५० | १३५१ | १३५२ | १३५३ | १३५४ | १३५५ | १३५६ | १३५७ | १३५८ |
| १३६९ | १३७० | १३७१ | १३७२ | १३७३ | १३७४ | १३७५ | १३७६ | १३७७ | १३७८ |
| १३८९ | १३९० | १३९१ | १३९२ | १३९३ | १३९४ | १३९५ | १३९६ | १३९७ | १३९८ |
| १३९९ | १४०० | १४०१ | १४०२ | १४०३ | १४०४ | १४०५ | १४०६ | १४०७ | १४०८ |
| १४१९ | १४२० | १४२१ | १४२२ | १४२३ | १४२४ | १४२५ | १४२६ | १४२७ | १४२८ |
| १४३९ | १४४० | १४४१ | १४४२ | १४४३ | १४४४ | १४४५ | १४४६ | १४४७ | १४४८ |
| १४५९ | १४६० | १४६१ | १४६२ | १४६३ | १४६४ | १४६५ | १४६६ | १४६७ | १४६८ |
| १४७९ | १४८० | १४८१ | १४८२ | १४८३ | १४८४ | १४८५ | १४८६ | १४८७ | १४८८ |
| १४९९ | १४९० | १४९१ | १४९२ | १४९३ | १४९४ | १४९५ | १४९६ | १४९७ | १४९८ |
| १५०९ | १५१० | १५११ | १५१२ | १५१३ | १५१४ | १५१५ | १५१६ | १५१७ | १५१८ |
| १५२९ | १५३० | १५३१ | १५३२ | १५३३ | १५३४ | १५३५ | १५३६ | १५३७ | १५३८ |
| १५४९ | १५५० | १५५१ | १५५२ | १५५३ | १५५४ | १५५५ | १५५६ | १५५७ | १५५८ |
| १५६९ | १५७० | १५७१ | १५७२ | १५७३ | १५७४ | १५७५ | १५७६ | १५७७ | १५७८ |
| १५८९ | १५९० | १५९१ | १५९२ | १५९३ | १५९४ | १५९५ | १५९६ | १५९७ | १५९८ |
| १५९९ | १६०० | १६०१ | १६०२ | १६०३ | १६०४ | १६०५ | १६०६ | १६०७ | १६०८ |
| १६१९ | १६२० | १६२१ | १६२२ | १६२३ | १६२४ | १६२५ | १६२६ | १६२७ | १६२८ |
| १६३९ | १६४० | १६४१ | १६४२ | १६४३ | १६४४ | १६४५ | १६४६ | १६४७ | १६४८ |
| १६५९ | १६६० | १६६१ | १६६२ | १६६३ | १६६४ | १६६५ | १६६६ | १६६७ | १६६८ |
| १६७९ | १६८० | १६८१ | १६८२ | १६८३ | १६८४ | १६८५ | १६८६ | १६८७ | १६८८ |
| १६९९ | १६९० | १६९१ | १६९२ | १६९३ | १६९४ | १६९५ | १६९६ | १६९७ | १६९८ |
| १७०९ | १७१० | १७११ | १७१२ | १७१३ | १७१४ | १७१५ | १७१६ | १७१७ | १७१८ |
| १७२९ | १७३० | १७३१ | १७३२ | १७३३ | १७३४ | १७३५ | १७३६ | १७३७ | १७३८ |
| १७४९ | १७५० | १७५१ | १७५२ | १७५३ | १७५४ | १७५५ | १७५६ | १७५७ | १७५८ |
| १७६९ | १७६० | १७६१ | १७६२ | १७६३ | १७६४ | १७६५ | १७६६ | १७६७ | १७६८ |
| १७७९ | १७७० | १७७१ | १७७२ | १७७३ | १७७४ | १७७५ | १७७६ | १७७७ | १७७८ |
| १७८९ | १७८० | १७८१ | १७८२ | १७८३ | १७८४ | १७८५ | १७८६ | १७८७ | १७८८ |
| १७९९ | १७९० | १७९१ | १७९२ | १७९३ | १७९४ | १७९५ | १७९६ | १७९७ | १७९८ |
| १८०९ | १८१० | १८११ | १८१२ | १८१३ | १८१४ | १८१५ | १८१६ | १८१७ | १८१८ |
| १८२९ | १८३० | १८३१ | १८३२ | १८३३ | १८३४ | १८३५ | १८३६ | १८३७ | १८३८ |
| १८४९ | १८५० | १८५१ | १८५२ | १८५३ | १८५४ | १८५५ | १८५६ | १८५७ | |

| | |
|------|-------------|
| २ | १२ शु |
| ३ मं | केवु १ वृसू |
| ४ श | १० |
| ५ | ९ रा |
| ६ | ८ |

वैशाख जुहाउँदा भन्ने मन्त्रः—वैशाखे सकले मासे मेष संक्रमणे रवेः । प्रातः सनियमं स्नास्ये प्रीयतां मधुसूदनः ॥ मधु हन्तुः प्रसादेन
 ब्राह्मणमनुग्रहात् । तिर्विघ्नमस्तु मे पुण्यं वैशाख स्नान मन्वहम् ॥ माधवेमेषगे भानौ सुरारे मधुसूदनः । प्रातः स्नानेन मे नाथ फलदो भव पापहन् ॥
 श्री परशुरामजी लाई पूजागरी अर्घं दिने मन्त्र—जामदग्न्य महावीर त्रियान्तकर प्रभो । गृहाणार्घ्यं मयादत्तं कृपया परमेश्वरः ॥ युगादि तिथिमा दानादिको फल—कृतोपवास
 सतिलं ये युगादि दिनेषु च । दास्यन्त्यन्नानि सलिलं तेषां लोका महोदयाः ॥ अक्षय तृतीयामा श्रीखण्ड चन्दन चढाई विष्णु पूजा गरेको फल—यः वारोति तृतीययां विष्णोश्चन्दन
 पूजनम् । वैशाखस्य सिते पक्षे स याति हरि मन्दिरम् ॥

[illegible][illegible]

श्री वि. सं. २०३३ शके १८९८ (नेपाली सं. १०९६ वङलागा) ज्येष्ठकृष्णः उत्तरायणं ग्रीष्मर्तुः पा. १६.१७ ज्ये. श्र. श. भ. रो. (मे)

[illegible]

| | |
|--|--|
| <p>कृत्तिकायां २ वृषेकः १११७ संक्रान्तिः । पूर्वास्तः शुक्रः २८।१२ म. ८।४३ उ. ३६।४३ या. कृत्तिकायां ३ सूर्यः ४३ तिष्ये २ भौमः ३६ कृत्ति D म. ३०।५४ उ. म. १।८ या. अष्टमी व्रतं धनि. पञ्चक प्र. ३१।३५ वक्रेण मेषे बुधः ७ कृत्तिकायां ४ सूर्यः ११ मिथुने दृष्यार्कः ० ७ १९।४६ भरण्यां ३ गुरुः ५३ वृषेशुक्रः ४५।५४ म. ८।५ उ. ४०।४ या. अपरा एकादशी व्रतं रोहिण्यां १ सूर्यः ४० तिष्ये ३ भौमः २७ धनिष्ठा पञ्चकनिवृत्तिः २४।३३ पुनर्भरण्यां बुधः ४० म. ५४।५३ उ. प्रदोष व्रतं पूर्वोदितो बुधः १८ तिष्ये २ शनिः ५० म. २७।९ या. (सिद्धिहो पूजा) दशश्राद्धं वटसावित्री व्रतं रोहिण्यां २ सूर्यः ९ रोहिण्यां शुक्रः ५२ स्नानदानादौ दशः मार्गबुधः २८</p> | <p>८ कायां शुक्रः ३ Uमुखा मुहूर्ताः ३० धान्यघ्नं वृष्टिपु समफलदा मासदेवता त्रिविक्रमः मासाकोइन्द्रः वृषेसूर्यः वृश्चिके चन्द्रः मेषेगुरुः तथिवारन्वेति पठेत् ।</p> |
|--|--|

[illegible][illegible]

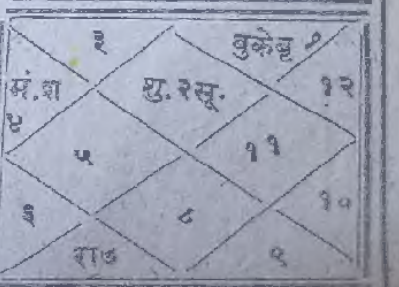
(ज्येष्ठ) श्रीसूर्योत्तरायणे ग्रीष्मर्तौ ज्येष्ठकृष्ण प्रतिपत्तिथौ अनु-
राधा नक्षत्रे परिचयोमे बालवकरणे भृगुवासरे श्रीसूर्योदयादगत
घटीषु १४१७ श्रीसूर्योमेधाद्वृषं प्रविष्टस्तदा वसन्तर्तु वैशाखौगौ
ग्रीष्मर्तुः ज्येष्ठौ प्रासौ । वारतोमित्रा पशुसुखा नक्षत्रतो मन्दाकिनी क्षत्रियसुखा काळतो विप्रसौ
ष्णुपदीनाम्नी वृषस्कान्तिश्चप्राप्तेयं-ज्याप्रारूढा अश्वोपवाहना पीतंवद्या गदायुधा रौप्यपात्रंहस्ता
मान्नाशनाकुंकुमलेषा भूतजातिः जातिपुष्पा निविष्टाः भौम्यावस्था किङ्किण्या भरणा कुमारी दक्षिण

श्री वि. सं. २०३३ साके १८९८ (नेपाली सं. १०९६ तछलाथ्व) ज्येष्ठ शुक्ल: उत्तरायणं ग्रीष्मर्तुः पा. ति. म. स्वा. १७ अनु. ज्ये. (मै-जून)

| | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|----|-----|----|----|---|----|----|-----|----|----|----------|----|----|----|-----|-----|----|
| १७ | १ | ५४९ | ५१ | २ | ४ | २५ | १२ | वा | ३६ | ३२ | सौम्य | १९ | १७ | ३३ | ५८ | ५१२ | ३० |
| १८ | २ | ७१५ | ५३ | १० | ५ | २३ | ३५ | त | ३७ | २० | कालदंड | सि | ३३ | ५९ | ५१२ | ३१ | |
| १९ | ३ | ७२५ | ५४ | ८ | ६ | २० | ५८ | च | ३६ | ५२ | स्थिर | ३८ | ५३ | ३४ | १ | ५१२ | १ |
| २० | ४ | ६१९ | ५३ | ५ | ४ | १७ | २१ | व | ३५ | १० | मार्तण्ड | क | ३४ | २ | ५१२ | २ | |
| २१ | ५ | ५१५ | ५२ | ३ | ३ | १२ | ५० | को | ३२ | २० | अमृत | ५२ | ३६ | ३४ | ३ | ५११ | ३ |
| २२ | ६ | ४१६ | ५० | २ | ३ | ७ | २६ | ग | २८ | ३० | काण | लि | ३४ | ५ | ५११ | ४ | |
| २३ | ७ | ३१७ | ४९ | १ | २ | ३ | ३१ | वि | २३ | ५१ | पुम्ब | सि | ३४ | ६ | ५११ | ५ | |
| २४ | ८ | २१८ | ४८ | ० | १ | ३ | ३६ | वा | १८ | ३३ | मित्र | १२ | ३४ | ८ | ५१० | ६ | |
| २५ | ९ | ११९ | ४७ | ९ | ० | ३ | ४० | इ | १२ | ४५ | वज्र | क | ३४ | ९ | ५१० | ७ | |
| २६ | १० | ०२० | ४६ | ८ | ९ | ३ | ४५ | श | ०७ | ४० | धाक्ष | ७ | ३४ | १० | ५१० | ८ | |
| २७ | ११ | ९२१ | ४५ | ७ | ८ | ३ | ४९ | ध | ०१ | ३३ | धूम्र | तु | ३४ | ११ | ५१० | ९ | |
| २८ | १२ | ८२२ | ४४ | ६ | ७ | ३ | ५४ | प्र | ०६ | ३४ | प्रवर्ध | १३ | ३४ | १२ | ५१० | १० | |
| २९ | १३ | ७२३ | ४३ | ५ | ६ | ३ | ५९ | त | ०१ | ३३ | तक्षम | वृ | ३४ | १३ | ५११ | ११ | |
| ३० | १४ | ६२४ | ४२ | ४ | ५ | ३ | ६४ | म | ०६ | ३४ | मुशाल | २१ | ३४ | १४ | ५११ | १२ | |

दशहरा स्नानारम्भः चन्द्रोदयः द्विपुष्करः ५।४९ उ. ५१।२ या.R
 रोहिण्यां ३ सूर्यः ३९ R तिष्ये ४ भौमः १४
 भ. ३६।५२ उ. (जून ६ ता. ३०) कृत्तिकायां बुधः ३
 भ. ६।१९ या. K रोहिण्यां ४ सूर्यः ९ अश्लेषायां १ भौमः ५९
 भरण्यां ४ गुरुः ३२
 भ. ५६।२२ उ. कुमारपक्षी (सिटीनख, इतार सोहने दिन) K
 भ. २३।५१ यां. शनि अष्टमी व्रतं
 मार्गेण कृत्तिकायां २ बुधे बुधः ३६।५२
 गङ्गादशहरा रामेश्वर पूजा हत्यामोचन स्नाने मृगशीर्षे १ सूर्यः ४०
 भ. ६।४० उ. ३३।३५ या. निर्जला ए. व. तुलसी बीजारोपणं H
 प्रदोष व्रतं मृगशीर्षे शुक्रः ४४ द्विपुष्करः ३३।३५ उ. ३५।४२ या.
 अश्लेषायां २ भौमः ४१
 भ. १३।१ उ. ४३।३३ या. पूर्णिमा व्रतं मृगशीर्षे २ सूर्यः ९
 मन्वादि (गेहूँ पूजा यनाति स्नानं ज्यापुही)

| | | | | | | | | | |
|----|----|----|----|----|----|----|----|---|---|
| ७ | १ | ५ | ९ | ३ | ० | ० | १ | ३ | ६ |
| १९ | १७ | १४ | २६ | २२ | १४ | ७ | १७ | | |
| १९ | ३२ | ४८ | ४९ | १६ | १४ | ३७ | | | |
| ३ | ८ | ५७ | २५ | ५० | १७ | ३० | | | |
| २० | ५७ | ३४ | २८ | १३ | ७३ | ५ | | | |
| २३ | १९ | ४४ | २० | ४४ | ४२ | ११ | | | |
| ८ | २ | ५ | ९ | ३ | ० | ० | १ | ३ | ६ |
| २६ | २३ | १८ | १२ | २४ | २२ | ७ | १७ | | |
| १५ | ३७ | ४६ | २७ | ५१ | ५८ | १४ | | | |
| ३ | ५७ | ५० | ११ | २२ | ९ | १३ | ४८ | | |
| २० | ५७ | ३५ | १३ | ७३ | ५ | | | | |
| २४ | १२ | ६३ | २८ | ३४ | २३ | ११ | | | |



ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्दशी को दिन जुन स्त्रीले चरको खसमनी उपवास बसा खावित्री को व्रत गर्दछ त्यो स्त्री कहिल्यै विधवा हुन्न भने शास्त्रमा लेखिएको छ । ज्येष्ठ महिनामा त्रिविक्रम नाम गरेका नारायण को प्रीतिका निमित्त पानिको घडा, तालवृत्त याने ताल पोखरी आदिमा फलेने फल

श्री वि. सं. २०३३ शके १८९८ (नेपाली सं. १०९१ तत्कालीन) आषाढकृष्ण उत्तरायण ओष्मर्तुः पा. उषा. २४ श. भ. आ. (पूर्व)

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|

म. २२१३ उ. मृगशीर्षे ३ मिथुनेकः ४०१५ संक्रान्तिः मृगशीर्षे
 म. ११४१ या. रोहिण्यां बुधः १२ J ३ मिथुने शुक्रः ०१४८
 अश्लेषायां ३ भौमः १९ धनिष्ठा पञ्चक प्रवृत्तिः ५११९
 S पञ्चक तिथिः ४३१० आश्लेषा ४ भौमः ५५
 म. २१४८ उ. २४१२ या. मृगशीर्षे ४ सूर्यः १० कृत्तिकायां १ गुरुः १९
 अश्लेषायां त्रिपुङ्गवः ५१२० या. आश्लेषायां शुक्रः २६ स्वात्यां ३ राहुः ०
 (देवपत्तने त्रिशूल योत्रा भलभल अष्टि) O भर्गवां १ केतुः १७
 म. २६१३ उ. आश्लेषायां १ सूर्यः ४१ कर्कटे ४५ याकः ३० धनिष्ठा-S
 म. १२१४ या. (तकादिरी) + वामनः सात्कारविः
 योनिनी पञ्चादशी व्रतं मृगशीर्षे बुधः ५५ मिथुनेसूर्यः मकरचन्द्रः
 प्रदोष व्रतं = तिथे ३ शनिः ४७ मेपेगुरुः तिथिवारवेति
 म. २२१८ उ. आश्लेषायां २ सूर्यः १२ = पठेत् ।
 म. ३१२९ या. (दिव्यचक्रे पुजा)
 दशमोदकं मघायां १ सिंहे भौमः २९१२ मृगशीर्षे ३ मिथुने बुधः ४८१८

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|



| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|

(आषाढ) श्रीसूर्योत्तरायणे आषमर्तु आषाढकृष्ण तृतीयायां तिथौ
 उ. पा. नक्षत्रे ब्रह्मयोगे भद्रा करणे सोम वासरे श्रीसूर्योदयादगत
 वर्तुषु ४०१५ श्रीसूर्योदयान्तिथुनं प्रविष्टस्तदा ज्येष्ठो गतापादः प्राप्तः । वारतो ध्वंषा वैश्यसुखा
 नक्षत्रो मन्दा विप्रसुखा क्षत्रतः पिशाचघ्नी पडशीत्यानना मिथुनसंक्रान्तिश्च प्राप्तेयं अश्वारूढा सिंहो-
 पवाहना कृष्णवस्त्रा कुन्तायुवा काश्यपब्रह्मन्ना चित्रान्नाशना ओतुमदलेपा ब्राह्मणजातिः दुर्वापुष्पा
 तिमिरा अन्नादना गतापादः मन्दा वैश्यसुखा नक्षत्रो मन्दा विप्रसुखा क्षत्रतः पिशाचघ्नी पडशीत्यानना मिथुनसंक्रान्तिश्च प्राप्तेयं अश्वारूढा सिंहो-
 पवाहना कृष्णवस्त्रा कुन्तायुवा काश्यपब्रह्मन्ना चित्रान्नाशना ओतुमदलेपा ब्राह्मणजातिः दुर्वापुष्पा

श्री वि.सं. २०३३ शके १८९८ (नेपालीसं. १०९६ दिक्लाष्टव) आषाढ शुक्ल उत्तरायण ग्रीष्मर्तुः पा आ.ति.म.स्वा. १७ ज्ये मू (जून-जुलाई)

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|-----|-----|----|-----|------|----|-----|-----|----|-----|----|----|-------|--------|-----|----|----|----|----|----|----|
| १५ | चं. | १३६ | ४० | जा | १२ | ३५ | ६८ | ४२ | ३७ | किं | ६३ | ३३ | ३३ | ५० | ३० | ३४ | १९ | ५ | ८ | २८ | |
| १६ | मं. | २३५ | ३६ | कु. | १३ | ४९ | ४४ | ४० | १२ | वा. | ६ | ८ | स्थिर | क. | ३४ | १८ | ५ | ८ | २९ | | |
| १७ | कु. | ३३३ | २० | ति. | १३ | ४९ | ३८ | ३५ | ५० | तै | ४ | २० | मातंग | क. | ३४ | १७ | ५ | ९ | ३० | | |
| १८ | वृ. | ४३० | १ | अ. | १२ | ४४ | वा. | ३० | ३३ | व. | ३३ | ३३ | अमृत | १३ | ४४ | ३४ | १५ | ५ | ९ | ३१ | |
| १९ | शु. | ५२५ | ४५ | म. | १० | ४२ | मि | २४ | ३७ | कौ | ५३ | १४ | काण | सि | ३४ | १४ | ५ | ९ | ३२ | | |
| २० | श. | ६२० | ४४ | पू. | ७ | ५१ | व्य | १८ | ० | ग. | ४७ | ५५ | लुम्ब | २१ | १० | ३४ | १३ | ५ | ९ | ३३ | |
| २१ | र. | ७१५ | ७ | उ. | ४ | २३ | व. | १० | ५६ | वि | ४२ | ७ | मित्र | कं. | ३४ | ११ | ५ | १० | ३४ | | |
| २२ | चं. | ८ | ९ | ७ | ह. | ३३ | प. | ३३ | ३३ | वा | ३६ | १ | वज्र | २८ | २४ | ३४ | १० | ५ | १० | ३५ | |
| २३ | मं. | ९ | ३३ | ३३ | स्वा | ५२ | ९ | सि | ४८ | १३ | तै | २९ | ४८ | केतु | तु. | ३४ | ९ | ५ | १० | ३६ | |
| २४ | कु. | ११ | ५० | ४३ | वि | ४८ | १३ | सा | ४० | ४९ | व. | २३ | ४२ | धाता | ३४ | १२ | ३४ | ७ | ५ | ११ | ३७ |
| २५ | वृ. | १२ | ४५ | ८ | अ. | ४४ | ३८ | शु. | ३३ | ३९ | व. | १७ | ५५ | जानन्द | वृ. | ३४ | ३ | ५ | ११ | ३८ | |
| २६ | शु. | १३ | ४० | ९ | उयै | ४१ | ३३ | शु. | २६ | ५५ | कौ | १२ | ३८ | चर | ४१ | ३९ | ३४ | ५ | ११ | ३९ | |
| २७ | श. | १४ | ३५ | ५६ | सू. | ३९ | २५ | वा. | २० | ४८ | क. | ८ | २ | गद | ध. | ३४ | ३ | ५ | ११ | ४० | |
| २८ | र. | १५ | ३२ | ३८ | पू. | ३८ | ७ | तै | १५ | २४ | वि | ४ | १७ | शुभ | ५३ | ४ | ३४ | २ | ५ | १२ | ४१ |

आषाढायां ३ सूर्यः ४३
 श्रीजगन्नाथरथयात्रा चन्द्रोदयः त्रिपुष्करः १३४९ या. पूर्वास्तोबुधः ५३
 पुनर्वसौ शुक्रः ३०
 ऽवतारम्भः हरिबासरयोगः ५०१४३ उ.
 म. ११४० उ. ३०११ या. (जुलाई ७ ता. ३६) आर्द्रायां बुधः ३६
 आर्द्रायां ४ सूर्यः १४
 त्रिपुष्करः २०१४४ उ. मवायां २ भौमः ३ कृत्तिकायां २ वृषेगुरुः ५७१७
 म. १५१७ उ. ४२१७ या. (देवपत्तने गङ्गारथ यात्रा) रवि सप्तमी K
 अष्टमी व्रतं पुनर्वसौ १ सूर्यः ४५ K आनुपूर्वः त्रिपुष्करः ४१२३ या.
 मन्वादिः T पुनर्वसौबुधः ५२ पुनर्वसौ ४ कर्कटे शुक्रः ४११३
 म. २३१४२ उ. ५०१४३ या स्मार्तानां हरिःशयनी ए. व. चातुर्मास्य S
 वैशाखानां हरिःशयनी ए. व. (तुलसी पिये) मवायां ३ भौमः ३१ T
 प्रदोष व्रतं पुनर्वसौ २ सूर्यः १६
 म. ३५१५६ उ. L मूर्तिः पूजा (दिलापुहनी) तिथ्यशुक्रः २५
 म. ४११७ या. मन्वादि शिमा व्रतं गुरुपूजा श्रीपशुपतेर्गुरुदक्षिणा L

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |

आषाढ शुक्ल द्वितीया जगन्नाथ रथयात्रा पुण्य नक्षत्र समेत भयो भने रात्री हुन्छ नभए द्वितीयामै पनि मेरो प्रीतिका लागी रथयात्रा गर्नु भनेर जगन्नाथजीले भन्नु भएको छ । आषाढ शुक्ल दशमी का दिन देखि एक भक्त रंदि चतुर्मास्य व्रत गर्नु सकिन्छ भने नियम पूर्वक ब्रह्मचर्य भै एक छाक हविष्य खाई भई मा सुती गंगा नुहाई तुलसी पूजा गर्नु र हरेक एकादशीमा उपवास वस्नु नशके आषाढ तथा कार्तिकी एकादशी व्रत अवश्य गर्नु । आषाढ कृष्ण अष्टमी रात्रिमा यदि बादल नलागी साफ आकाश भै चन्द्रमा उदा उँछ्छ भने तेस वर्ष पानिको अभाव हुन्छ । आषाढ महिनामा स्वातीमा बिजुली चकियो अथवा वर्षा भयो भने अन्न र उब्जिन्छ । आषाढ शुक्ल पञ्चमी सोम बुध गुरु शुक्रवार का दिन परे बढिया हुन्छ । आषाढ शुक्ल पूर्णिमा का रात्रिमा यदि आकाश स्वच्छ बिना बादल को भयो भने तेस वर्ष पानी को अभाव हुन्छ ।

क्र. वि.सं. २०३३ शाके १८९८ (नेपाली सं. १०९६ दिहागा) श्रावण कृष्णः उत्तरायणं ग्रीष्मर्तुः वक्षिणायनं वर्षर्तुः पा. २३३. अश्वि. भ. ति. (जुलाई)

| | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|-----|-----|----|----|----|----|----|-----|-----|----------|------|----|----|---|----|----|
| २० | वि. | १०० | २५ | २७ | ५७ | १० | ५० | वा. | १३३ | मृत्यु | म. | ३३ | १ | ५ | १२ | 12 |
| २० | मं. | १०० | २५ | २७ | ५७ | १० | ५० | वा. | १३३ | लुम्बि | म. | ३३ | ५९ | ५ | १२ | 13 |
| २० | वि. | १०० | २५ | २७ | ५७ | १० | ५० | वा. | १३३ | मित्र | १५९ | ३३ | ५० | ५ | १२ | 14 |
| २० | वि. | १०० | २५ | २७ | ५७ | १० | ५० | वा. | १३३ | वज्र | कुं. | ३३ | ५७ | ५ | १३ | 15 |
| २० | वि. | १०० | २५ | २७ | ५७ | १० | ५० | वा. | १३३ | धर्वाक्ष | ३२५७ | ३३ | ५५ | ५ | १३ | 16 |
| २० | वि. | १०० | २५ | २७ | ५७ | १० | ५० | वा. | १३३ | वृक्ष | मी | ३३ | ५७ | ५ | १३ | 17 |
| २० | वि. | १०० | २५ | २७ | ५७ | १० | ५० | वा. | १३३ | प्रवर्ध | मी | ३३ | ५३ | ५ | १३ | 18 |
| २० | वि. | १०० | २५ | २७ | ५७ | १० | ५० | वा. | १३३ | मातंग | ०५३ | ३३ | ५२ | ५ | १३ | 19 |
| २० | वि. | १०० | २५ | २७ | ५७ | १० | ५० | वा. | १३३ | अमृत | मे. | ३३ | ५० | ५ | १३ | 20 |
| २० | वि. | १०० | २५ | २७ | ५७ | १० | ५० | वा. | १३३ | काण | ३०१७ | ३३ | ५० | ५ | १३ | 21 |
| २० | वि. | १०० | २५ | २७ | ५७ | १० | ५० | वा. | १३३ | लुम्बि | वृ. | ३३ | ५५ | ५ | १३ | 22 |
| २० | वि. | १०० | २५ | २७ | ५७ | १० | ५० | वा. | १३३ | मित्र | ५६८० | ३३ | ५३ | ५ | १३ | 23 |
| २० | वि. | १०० | २५ | २७ | ५७ | १० | ५० | वा. | १३३ | वज्र | मि. | ३३ | ५३ | ५ | १३ | 24 |
| २० | वि. | १०० | २५ | २७ | ५७ | १० | ५० | वा. | १३३ | धर्वाक्ष | मि. | ३३ | ५३ | ५ | १३ | 25 |
| २० | वि. | १०० | २५ | २७ | ५७ | १० | ५० | वा. | १३३ | वृक्ष | १७३० | ३३ | ५३ | ५ | १३ | 26 |
| २० | वि. | १०० | २५ | २७ | ५७ | १० | ५० | वा. | १३३ | प्रवर्ध | क. | ३३ | ५३ | ५ | १३ | 27 |

पुनर्वसौ ३ सूर्यः ४७ पश्चिमास्तः शनिः ३६
म. ५९।३३ उ. मघायां ४ भौमः ५९
म. २९।४१ या. धनिष्ठापञ्चक प्रवृत्तिः ९।५९ पुन-
र्वसौ ४ कर्कटेषु १३।२४ (अमूलेषायां शुक्रः १५
पुनर्वसौ ४ कर्कटैः १७।३८ संक्रान्तिः दक्षिणायनः
म. ३७।३९ उ. तिष्यो १ सूर्यः ४८ पूषायां १ भौमः २३
म. ९।५५ या. रविस्समीं व्रतं भानुपर्वः
सोमाष्टमी व्रतं धनिष्ठा पञ्चक निवृत्तिः ०।५३
प्रवृत्तिः कण्डारकपूजा (लूतोफात्ने) तिष्येषु १
म. २४।२६ उ. ५६।४३ या. तिष्ये ४ शनिः २७
पश्चिमोदितः शुक्रः १२।० कृत्तिकायां ३ गुरुः १२ ()
कामिका एकादशी व्रतं सिंहेष्ट्याकः ७ तिष्ये ६
शनिप्रदोष व्रतं पूषायां २ भौमः ४८ द्विपु. ३।१६ या.
म. ४।४८ उ. ३४।५७ या. वृश्चिकर्ण चतुर्दशी []
दर्शश्राद्धं तिष्ये ३ सूर्यः ४९ [] (गथामुगचहं)
स्नानदानादौ दर्शः २ सूर्यः १९ अश्लेषायां बुधः १९

॥ पात्रहस्ता, पक्षाबाशना मृत्तिकाक्षेपा पञ्चजातिः
कैतकी पुष्पसुभा हस्त्यावस्था चिद्रुमा भरण।
पुत्रति उत्तरमुखा मुहूर्ताः ३० धान्यव वृष्टिषु
समकल्पा अष्टविंशतिकाः १८ मास देवता श्रीधरः
मासाको गमस्तिः कर्कटसूयः कुम्भचन्द्रः मेवेगुरु-
निधिबारं चैतिपठेव ।

[illegible][illegible]

(आवण) श्रीसूर्योदक्षिणायने वर्षंतौ श्रावणकृष्णपञ्चम्यां तिथौ पू.
मा. नक्षत्रे शोभनयोगो तैत्तिरीकरशे भृगुवासरे श्रीसूर्योदयाद्गत वशीपु
१७।२८ श्रीसूर्यो मिथुनाककंदं प्रविष्टस्तदोत्तरायणाः ग्रीष्मर्वाषाढा-
गताः दक्षिणायनाः वर्षंतुः श्रावणाः प्रासाः । वारतो मिश्राणस्तुम्बा
नक्षत्रतो घोराः शूद्रसुखा कालतो विप्रघ्नी अयनानाम्नी ककंद संक्रा-
न्तिश्च प्रातयेयं-रासभारुढा मेघोपवाहना पाण्डुरवस्त्रा दण्डायधा लोह-॥

श्री वि. सं २०३३ शके १८९८ (नेपाली सं १०९६ गुंलाख) आठवा शुक्लः दक्षिणायनं वर्षतः पा० म. पूजा स्वा. १७ अनु. ज्ये. २४ (जुलाई-अगस्त)

| | | | | | | |
|--------|--------------|-------------|-----------|--------------|-------------|---------|
| १३ बु. | १ पुन १३ अ. | ३२ १७ व. | ५३ १२ वा. | ३० २० राक्षस | ३२ १७ ३३ ३३ | ५ १८ २९ |
| १४ बु. | ३ ५४ ३२ म. | ३० २६ व. | ४७ १९ तै. | २६ ३७ मुसल | सि ३३ २७ | ५ १९ २९ |
| १५ बु. | ७ ४९ ३४ पू. | २७ ४५ प. | ४० ३८ व. | ३२ ३ सिद्धि | ४१ ५४ ३३ २४ | ५ १९ ३० |
| १६ श. | ५ ४४ १ उ. | २४ २३ वि. | ३३ ४६ व. | १६ ४७ उत्पात | कं. ३३ २९ | ५ २० ३१ |
| १७ र. | ६ ३८ ३ ल. | २० ३३ सि | २६ २४ कौ | ११ १ मानस | ४८ २९ ३३ १८ | ५ २० १ |
| १८ वं. | ७ ३१ ५२ वि. | १६ २५ सा | १८ ४५ ग. | मुद्गर | तु. ३३ १५ | ५ २१ २ |
| १९ मं. | ८ २५ ४० स्वा | १२ १३ तु | ११ ४ वा. | ५२ ४० केतु | ५४ ११ ३३ १२ | ५ २२ ३ |
| २० बु. | ९ १९ ४० वि. | ८ ११ तु | ३३ ३३ तै | ४६ ५२ घाता | बु. ३३ ८ | ५ २२ ४ |
| २१ बु. | १० १४ ४ अ. | ४ ३० तु | ४२ २५ व. | ४१ ३३ आनन्द | बु. ३३ ५ | ५ २३ ५ |
| २२ बु. | ११ ९ ३ ल्ये | ३३ ३३ वै | ४३ ७ व. | ३६ ५४ चर | ११ १९ ३३ २ | ५ २४ ६ |
| २३ श. | १२ ४ ४६ पू. | ५७ २२ वि. | ३७ ३० कौ | ३३ ५ मातंग | व. ३२ ५२ | ५ २४ ७ |
| २४ र. | १३ १ २४ उ. | ५६ ५५ प्रो. | ३२ ४३ ग. | ३० १६ अमृत | १३ १५ ३२ ५६ | ५ २५ ८ |
| २५ वं. | १५ ५८ ३ श. | ५७ ३३ अ. | २८ ५१ वि. | २८ ३३ काण | म. ३२ ५३ | ५ २५ ९ |

(गुल्दाधर्मरम्भः) चन्द्रोदयः Nभौमः ४५

S(न्याँजानके+गुँपुह्नी) अरखेबायां ३ सूर्यः ४९ उफायां १ N

भ. २२।३ उ. ४९।३४ या. वराहजयन्ती तिथ्ये ४ सूर्यः १९ पूषायां R

नागपञ्चमी R३ भौमः ७ मघायां १ सिद्धेन्द्रधः ३१।४४

(अगस्त ८ ता. ३१) कलकती जयन्ती पश्चिमोदितो बुधः ४७ K

अ. ३१/५२ ड. ५८/४६ या. अश्लेषायां १ सूर्यः ५० मघायां १T

भौमाष्टमी व्रत (जलपूरच दाज) T सिंहेशुक: १२।२१

पक्षायां ४ औसः २४

स. ४३।३३ अ.

भ. १।३ या. पञ्चदा एकादशी व्रतं अश्विनीवार्या २ सूर्यः १९

शनिप्रदोष इतं (बहिवोय) पुफायां दुषः २८

अ. ५९।६ उ. श्री शिवस्य पवित्रा रोपणम्

अ. ३५३५ या. पण्णिमावतं ऋषितपण्णि रक्षाबन्धनं हयग्रीवोत्पत्तिः S

21. 10. 1941

साउने संक्रान्तिमा खूतो फाल्ने मन्त्र-कयडारकः सुराधीश गृहाण दीप मुत्तमम् । सरलेन्धन संभूतं ममारिष्टं विनाशयः ॥ काण्डारको रात्रिचरो
खूतादि भय नाशनः । उष्कामिमां प्रक्षिपामि मास्तुलतादिकं भयं ॥ दक्षिणायनमा गन् नहुने काम हर्ष प्रजलाशय, बगैचा देवप्रतिष्ठा व्रत बन्धन नयां
घरमा प्रवेश इत्यादि वर्जित छ । नाग पूजा गर्दा विचारणीय भदौ, आश्विन, कार्तिक, यी ३ महिना नागको शीर पूर्वमा हुन्छ मार्ग, पौष माघ महिना
मा दक्षिण पट्टी फाहरुन चैत वैशाखमा पश्चिममा र ज्येष्ठ-आषाढ साउनमा उत्तर शीरहुन्छ भनि जान्नु । श्रावण महिनामा कृत्तिका नक्षत्रमा पानि वर्ष्यो भने ४ महिना सम्म पानि पर्दछ
उपजाऊ रात्रोहुन्छ । श्रावण कृष्ण ५ का दिन बदली मात्र भएर वर्षा भएन भने अन्न महगो हुन्छ । श्रावण शुक्ल सप्तमी अष्टमी का दिन बादल भित्र रहेर सूर्य उदाए भने कार्तिक

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----------|-----|-----|----|------|----|-----|------|-----|----|------|--------|---------|--------|-----|----|----|----|----|----|
| २६ मं. | १५८ | १५५ | ५९ | २७ | मौ | २५ | ५७ | वा. | २८ | ९ | उत्पात | २८ | ३० | ३२ | ४९ | ५२ | ६ | १० | |
| २७ बु. | २५९ | ४२ | ३० | ० | शो | २४ | ३३ | ३३ | २८ | ५८ | मानस | कुं. | ३२ | ४६ | ५२ | ७ | ११ | | |
| २८ बृ. | ३६० | ० | ३३ | २ | ३३ | अ. | २३ | ११ | व. | ३१ | १ | वज्र | ५० | ५१ | ३२ | ४३ | ५२ | १२ | |
| २९ गु. | ३ | २२ | ५ | ५ | ५ | चु. | २३ | ८ | व. | ३३ | १३ | धवाव | मी | ३२ | ४० | ५२ | ८ | १३ | |
| ३० ज्ञा. | ४ | ६ | ५ | ५ | ५ | ५ | २३ | ५२ | को | ३३ | २१ | वृष | मी | ३२ | ३७ | ५२ | ९ | १४ | |
| ३१ र. | ५ | १० | ३७ | २ | १८ | २२ | ३५ | ७ | ग. | ४३ | ७ | प्रवर्ध | १८ | २२ | ३२ | ३३ | ५२ | १५ | |
| ३२ वं. | ६ | १५ | ३७ | अ. | २४ | ५३ | गं. | २६ | ४५ | वि. | ४१ | ८ | राक्षस | मे. | ३२ | ३० | ५३ | १६ | |
| १ मं. | ७ | २० | ४० | अ. | ३१ | २१ | बृ. | २८ | १८ | वा. | ५२ | ५८ | मुसल | ४७ | ५१ | ३२ | २७ | ५३ | १७ |
| २ बु. | ८ | २५ | १७ | कुं. | ३७ | २१ | हुं. | २९ | २९ | नै | ५७ | १४ | सिद्धि | वृ. | ३२ | २४ | ५३ | १८ | |
| ३ बृ. | ९ | २९ | ११ | रो. | ४२ | ३२ | व्या | ३० | ६ | व. | ६० | ० | उत्पात | बृ. | ३२ | २० | ५३ | १९ | |
| ४ गु. | १० | ३२ | ४ | मृ. | ४६ | ४७ | ह. | २९ | ५४ | व. | ० | ३७ | मानस | १४ | ३९ | ३२ | १७ | ५३ | २० |
| ५ ज्ञा. | ११ | ३३ | ४५ | आ | ४९ | ४७ | व. | २८ | ४७ | त्र. | २ | ५४ | मुद्गर | मि. | ३२ | १४ | ५३ | २१ | |
| ६ र. | १२ | ३४ | ९ | पु. | ५१ | ३१ | सि. | २६ | ४१ | कौ | ३ | ५७ | केतु | ३६ | ५ | ३२ | ११ | ५३ | २२ |
| ७ वं. | १३ | ३३ | १७ | ति. | ५२ | २ | व्य | २३ | ३५ | ग. | ३ | ४३ | घाता | क. | ३२ | ७ | ५३ | २३ | |
| ८ मं. | १४ | ३१ | १३ | अं. | ५१ | २६ | व. | १९ | ३१ | वि. | २६ | १४ | आनन्द | ५१ | २६ | ३२ | ४ | ५३ | २४ |
| ९ बु. | ३० | २८ | ३ | म. | ४९ | ४६ | प. | १४ | ३४ | किं | ५६ | ० | वर | मि. | ३२ | ० | ५३ | २५ | |

जातिः दूर्वा पुष्पा निविष्टा
मुक्तावस्था गुञ्जा भरणा
बृद्धाई शानमुखा सुहृताः
१५ धान्यर्घं वृष्टिषु अनि-
ष्टफलदा मासदेवताऋषि-
केश मासाकौ यम सिंहे-
सूर्यः मेघेचन्द्रः वृषेगुरुः ।
धः ४२ । स्वतश्च पूर्वोदितः]
बुधः २० । ३७ ।
१५ उफायां ३ भौमः १५
तराहुः अश्विन्यां ४ कैतुः ११
सूर्यः ४३ उफायां शुक्रः ५८
य व्रतं (पञ्चदानं-पञ्चदानं
पुष्कर ५८ । १५ उ. ५९ । २७ या.
नं उफायां ४ भौमः २७ ।

| | | | | | | | | |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| १७ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ |
| आ | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ |
| २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ |
| ग | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ |
| ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ |
| ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ |
| ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ |
| ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ |
| ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ |
| ९७ | ९८ | ९९ | १०० | १०१ | १०२ | १०३ | १०४ | १०५ |
| १०६ | १०७ | १०८ | १०९ | ११० | १११ | ११२ | ११३ | ११४ |
| ११५ | ११६ | ११७ | ११८ | ११९ | १२० | १२१ | १२२ | १२३ |
| १२४ | १२५ | १२६ | १२७ | १२८ | १२९ | १३० | १३१ | १३२ |
| १३३ | १३४ | १३५ | १३६ | १३७ | १३८ | १३९ | १४० | १४१ |
| १४२ | १४३ | १४४ | १४५ | १४६ | १४७ | १४८ | १४९ | १५० |
| १५१ | १५२ | १५३ | १५४ | १५५ | १५६ | १५७ | १५८ | १५९ |
| १६० | १६१ | १६२ | १६३ | १६४ | १६५ | १६६ | १६७ | १६८ |
| १६९ | १७० | १७१ | १७२ | १७३ | १७४ | १७५ | १७६ | १७७ |
| १७८ | १७९ | १८० | १८१ | १८२ | १८३ | १८४ | १८५ | १८६ |
| १८७ | १८८ | १८९ | १९० | १९१ | १९२ | १९३ | १९४ | १९५ |
| १९६ | १९७ | १९८ | १९९ | २०० | २०१ | २०२ | २०३ | २०४ |
| २०५ | २०६ | २०७ | २०८ | २०९ | २१० | २११ | २१२ | २१३ |
| २१४ | २१५ | २१६ | २१७ | २१८ | २१९ | २२० | २२१ | २२२ |
| २२३ | २२४ | २२५ | २२६ | २२७ | २२८ | २२९ | २३० | २३१ |
| २३२ | २३३ | २३४ | २३५ | २३६ | २३७ | २३८ | २३९ | २४० |
| २४१ | २४२ | २४३ | २४४ | २४५ | २४६ | २४७ | २४८ | २४९ |
| २५० | २५१ | २५२ | २५३ | २५४ | २५५ | २५६ | २५७ | २५८ |
| २५९ | २६० | २६१ | २६२ | २६३ | २६४ | २६५ | २६६ | २६७ |
| २६८ | २६९ | २७० | २७१ | २७२ | २७३ | २७४ | २७५ | २७६ |
| २७७ | २७८ | २७९ | २८० | २८१ | २८२ | २८३ | २८४ | २८५ |
| २८६ | २८७ | २८८ | २८९ | २९० | २९१ | २९२ | २९३ | २९४ |
| २९५ | २९६ | २९७ | २९८ | २९९ | ३०० | ३०१ | ३०२ | ३०३ |
| ३०४ | ३०५ | ३०६ | ३०७ | ३०८ | ३०९ | ३१० | ३११ | ३१२ |
| ३१३ | ३१४ | ३१५ | ३१६ | ३१७ | ३१८ | ३१९ | ३२० | ३२१ |
| ३२२ | ३२३ | ३२४ | ३२५ | ३२६ | ३२७ | ३२८ | ३२९ | ३३० |
| ३३१ | ३३२ | ३३३ | ३३४ | ३३५ | ३३६ | ३३७ | ३३८ | ३३९ |
| ३४० | ३४१ | ३४२ | ३४३ | ३४४ | ३४५ | ३४६ | ३४७ | ३४८ |

| | | |
|-----------|------|------------|
| वैद्यम् | मे. | अत्रालो. |
| मानना. | हृ. | व्ययः |
| आप्रा | मि. | लाभः |
| भयम् | कं. | सुखम् |
| स्थानना. | सि. | तृपभयं |
| व्ययः | कं. | कष्टम् |
| लाभः | तुं. | स्त्रीसुखं |
| कर्मप्रा. | हृ. | लाभः |
| कातिश | धं. | कार्यना. |
| कष्टम् | मं. | कुत्तरक. |
| गमनम् | हुं. | श्रीप्रा, |
| शत्रुना. | मी. | धनना. |

अ. म. क. . . गमनम्
रो. मृ. आ. पु. ति. अ. सुखम्
म. पू. उ. . . . पीडा
ह वि. स्वा. वि. अ. ज्ये. वल्लम्
मू. पू. उ. . . . हानिः
श्र. ध. श. पू. उ. रे. धनम्

(भाद्र) श्रांसूर्योदधिणायने वर्षर्तौ भाद्रकृष्ण सप्तम्यां तिथौ
भरणी नक्षत्रे वृद्धियोगे भद्राकरणे सोमवासरेश्रांसूर्योदयादगतघटीयुः
४६।२५ श्रांसूर्योदकटासिंहं प्रविष्टस्तदा श्रावणो गतो भाद्रः प्राप्तः।
वारतो ध्वांती वैश्यसुखा नक्षत्रौ धोरा शुद्धसुखा काजतो नटणी
विष्णुपदी ताम्नी सिंहसंक्रान्तिश्च प्राप्तेयं अषारुढा सिंहोषवाहना।
कृष्णवखा कुन्तायुधा कांश्यपात्रहस्ता चित्रान्ना भोनुमदलेपा ब्राह्मण

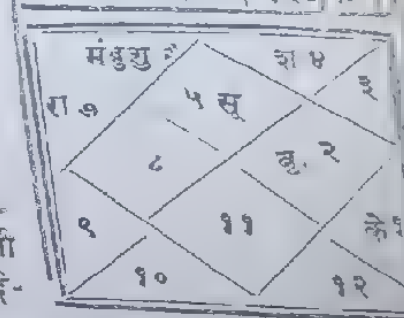
| | | |
|----------|---------|------|
| मंशुबु ५ | ३ | |
| ६ | श.सू. ४ | वृ.२ |
| | के. १ | |
| ८ | १० | १२ |
| ९ | ११ | |

श्री वि सं २०३३ शके १८९८ (नेपाली सं. १०९६ अज्ञात) भाद्रशुक्ल दक्षिणायन वर्षतुः पा.पू.फा.उ.फा.स्वा.अनु.२४ श. अगस्त-सितम्बर

| १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |

चन्द्रदयः (गुलाधर्म पूर्तिः) उफायां २ कन्याया शुक्रः ४१ १६
 (ताजको दरखाने) मघाया ४ सूर्यः ११ ३३ ११ ७ उ हस्तमे २ भौमः ०
 म. ४० ३० उ. मन्वादि हरितालका व्रतं (ताज) चन्द्रदर्शन-11
 म. ७१ ११ या कृषिपञ्चमी व्रतं Hदायः (वया) ० ५२ पश्चिमास्तो बुधः ७
 सूर्यपक्षी (कोखजाविने) पूफायां १ सूर्यः ३८ हस्तमे १ भौमः ४१
 म. ४१ २६ उ. अमुकाभरण संक्षमी व्रतं त्रिपुष्करः २ ७ ४९ या.
 म. १६ ३९ या. (सितंबर ९ ता. ३०) अष्टमा व्रतं धूर्वाष्टमी J
 अदुखनवमी व्रतं Jवतञ्च (गौराष्टमी) श्रीमहालक्ष्मी व्रतारम्भः S
 पूफायां २ सूर्यः ५ हस्तमे शुक्रः ५१ Sवक्री बुधः २० ७ ३६ भगवतुदयः २
 म. २१ ५७ उ. ३१ १७ या हरिः परिवर्तिनी एकादशी व्रतं त्रिपुष्करः १
 वामन द्वादशी दधिदानं हन्त्रध्वजोत्थानं मालोये प्र. व. त्रिपुष्करः 1
 (रहुगया) धनिष्ठापञ्चक प्रवृत्तिः ४ १ ४ ४ पूफायां ३ सूर्यः ३१ १ ५ ३ ४ या.
 म. २८ १७ उ. ५८ ५१ या अनन्त अनुवंशी व्रतं हन्त्रयात्रा पूर्णिमा व्रतं
 (हन्त्रदह नानं. भक्तपुरमा रिद्धपोवगी मेला) (वयापुडा)

| १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |



कुश ग्रहमन्त्र-विश्विचना सहाय्यन्ता परमेष्ठिनिसर्गतः नुदः सर्वाणि पापानि दमस्वस्ति करोमः । अगस्तिलाई. पर्वदिने मंत्रः-काशपुष्पः प्रती
 काश वहे मारुत संभवः । मित्रावहलो पुत्रः कुम्भमीने नमस्तुते ॥ लोपापुष्पं लाई अर्घदिने मन्त्रः-राजपुत्रे महाभागे कृषिपत्नी वरानने । लोपापुष्प-
 नमस्तुभ्यमर्घ्यं मे प्रतिपृच्छतां ॥ भाद्रशुक्लचौथिमा चन्द्रदर्शन गदात्मने मन्त्रः-सिंह प्रसेन भवधीत् सिंहोजाम्भवताहतः । सुकुमार कुमारोदिस्तवहेपस्यमन्त्रकः । भाद्रशुक्ल पञ्चा सूर्य
 पूजनम्-शुक्ले भाद्रपदे पञ्चास्तानं भास्कर पूजनम् । प्राज्ञनायक मन्त्रस्व अश्वमेधफलाधिकम् । भाद्रकृष्ण द्वितीयाको रातभर चन्द्रमा यदि बादल भिन्नैरहिरहे मने पत्नी गयेर राज्ञो
 वर्षा हुन्छ र अन्नसस्तो हुन्छ । जुन देशमा भदौ महिनाको चित्रा स्वाति चित्रास्वा नक्षत्रमा पानिपडैन संशुकि यसपाखा वर्षाद समाप्त भएछ । भाद्रशुक्ल अष्टमीका दिन यदि चन्द्र
 सूर्य निमज्ज आकाशमा उदाए भने वैशाखसम्म अन्नवस्त्र महगोहुँदै जाने छ ।

श्री वि. सं. २०३३ शके १८९८ (नेपाली सं. १०९६ जलागा) भास्विनकृष्ण दक्षिणायन वर्षतु शरदतु. पा. उभा. अ. रव. अश्ले. पूषा. उफा. (सितंबर)

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|-----|-----|----|----|-----|----|-------|----|----|-----|-----|----|--------|-------|-----|----|-----|-----|-----|----|----|
| २४ | वृ. | १३२ | १७ | ५० | २४ | २७ | श. | ४२ | ६ | वा. | ० | ५६ | मुदगर | ८ | २६ | ३० | ५९ | ५४८ | ९ | | |
| २५ | शु. | २३६ | १ | ७ | २९ | ३६ | गं | ४२ | ३८ | वै. | ४ | ९ | केतु | मी | ३० | ५५ | ५४९ | १० | | | |
| २६ | श. | ३४० | ३ | ३ | ३५ | ३९ | वृ. | ४३ | ४४ | ज. | ८ | १८ | घाता | ३५ | ३९ | ३० | ५१ | ५५० | ११ | | |
| २७ | र. | ४४५ | ४ | १ | ४१ | ४४ | शु. | ४५ | ४२ | व. | १३ | ८ | आनन्द | मे. | ३० | ४७ | ५५१ | १२ | | | |
| २८ | चं. | ५५० | ४ | ८ | ४८ | २६ | व्या. | ४६ | ४३ | को. | १८ | १४ | चर | मे. | ३० | ४३ | ५५१ | १३ | | | |
| २९ | मं. | ६५५ | ३ | ३ | ५४ | ३५ | ह. | ४७ | ५५ | ग. | २३ | १९ | गद | ४ | ५८ | ३० | ३९ | ५५२ | १४ | | |
| ३० | ख. | ७५९ | ३ | ० | ५९ | ५८ | व. | ४८ | ३७ | वि. | २७ | ३० | शुभ | वृ. | ३० | ३५ | ५५३ | १५ | | | |
| ३१ | बृ. | ८६० | ० | ० | ६० | ० | कि. | ४८ | ३९ | वा. | ३० | ५९ | मृत्यु | ३२ | १२ | ३० | ३९ | ५५४ | १६ | | |
| १ | शु. | ८ | २ | २९ | सु. | ४ | २७ | ७ | ४७ | ३५ | त. | ३३ | २३ | मानस | मि. | ३० | २६ | ५५५ | १७ | | |
| २ | श. | ९ | ४ | १७ | अ. | ७ | ४६ | ७ | ४५ | ३८ | व. | ३४ | ३२ | मुदगर | ५४ | १४ | ३० | २२ | ५५६ | १८ | |
| ३ | र. | १० | ४ | ४७ | पु. | ९ | ४५ | ५ | ४२ | ४२ | व. | ३४ | २४ | केतु | क. | ३० | १८ | ५५६ | १९ | | |
| ४ | चं. | ११ | ४ | १ | ति. | १० | ३४ | १ | ३८ | ४७ | को. | ३३ | २ | घाता | क. | ३० | १४ | ५५७ | २० | | |
| ५ | मं. | १२ | ४ | ० | अ. | १० | १३ | १ | ३३ | ५७ | ग. | ३० | ३१ | आनन्द | १० | १३ | ३० | १० | ५५८ | २१ | |
| ६ | ख. | १४ | ५४ | ५९ | म. | ८ | ४८ | २ | २८ | १६ | वि. | २६ | ५९ | चर | मि | ३० | ६ | ५५९ | २२ | | |
| ७ | बृ. | २० | ५० | ११ | प. | ६ | २७ | ३ | २१ | ५४ | न. | २२ | ३८ | गद | २० | ४० | ३० | २ | ६ | ० | २३ |

| | | | | | | | | | | | | | |
|----------|--------------|---------|-------|--------------|------|---------|-------|--------|--------------|---------|----------|--------|-------|
| चन्द्रफल | श्रीप्राप्ति | धनना. | अललाभ | व्यय | लाभ | सुखम् | नृपभय | कष्टम् | स्त्रीसुख | लाभ | कार्यना. | कर्मफल | गमनम् |
| रा. | मे. | मे. | मि. | कं. | ति. | कं. | तं. | कं. | धं. | मं. | कं. | मि. | मं. |
| सूर्यफल | शुभताग | इन्द्रम | मानना | श्रीप्राप्ति | भयम् | स्थानना | व्यय | लाभ | कर्मप्राप्ति | कान्तिव | कष्टम् | गमनम् | मं. |

श्राद्धारम्भ प्रतिपच्छ्राद्ध (पुनर्वलि पूजा) पूषायां ४ सूर्यः ५७ हस्तभे ३ मौ. ५५
द्वितीया श्राद्ध अश्लेषायां २ शनिः ४६ H चह) पश्रमास्तो भौमः ५६
म. ८११८ उ. ४०१३६ या. धनिष्ठापञ्चक निवृत्तिः ३५३१ (गानित्ता) ॥
(नानिचायात्रा) चतुर्थी श्राद्ध (भौमः १० पूर्वोदितो बुधः ३९१
पश्रमी श्राद्ध उफायां १ सूर्यः २२ चित्रायां १ तुलायां शुक्रः १०१४६
म. ५५१३१ उ. षष्ठीश्राद्ध चित्रायां शुक्रः ४३ ॥ तृतीया श्राद्ध
म. २७१३० या. सप्तमी श्राद्ध हस्तभे ४ भौमः ३५ क्रेणसिहे बुध १८१२०
अष्टमी व्रत उफायां २ कन्यायां अर्कः ४७१४१ अष्टमी श्राद्ध अष्टका
संक्रान्ति नवमी श्राद्ध मातृनवमी अन्वष्टका श्रीमहालक्ष्मीव्रत पूर्तिः
म. ३४१३२ उ. दशमी श्राद्ध वकी गुरुः ०११ A उफायां बुधः ५४
म. ४१४७ या. एकादशी श्राद्ध (कर्पिक हरिशङ्कर यात्रा)
इन्दिरा एकादशी व्रत द्वादशी श्राद्ध उफायां ३ सूर्यः १२ चित्रायां १ ()
म. ५९१० उ प्रदोष व्रत कलियुगादि मघायुक्ता त्रयोदशी श्राद्ध पुनः A
म. २६१५९ या शस्त्रादि हतानां श्राद्ध चतुर्दशी श्राद्धञ्च (नलाशने H
दशश्राद्ध तुलायां हस्तार्कः २५ उफायां ४ सूर्यः ३६ मार्गी बुधः ४८

(आश्विन)श्रीसूर्योद. शरद्वतौ कृ. अ. तिथी मृग. न. सिद्धिया. कौ. करणे. गु.
वासरे. सु. ग. घ. ४७१४१ श्रीसूर्य सिंहात्कन्यायां प्रविष्टस्तदा वर्षतु भाद्रौ
गतौ शरद्वत्वाश्विनौ प्राप्तौ । वारतो मन्दा विप्रसुखा नक्षत्रतो म. क्षत्रिय
सुखा कालत. नटनी षडशीत्यानना कन्यासंक्रा. प्राप्तेय-वाराहारूढावृषोपवाहना हरिनवस्त्रा खडगायुधा
ताम्रपात्रहस्ता भिक्षाशना चन्दनलेपा सर्पजातिः वकुलपुष्पा ऊर्ध्वा रत्यवस्था मुक्ताभरणा गतालक वषा
(रथडा) प. सु. सु. ३० धा. वृ. सम. फला. मा. दे. पद्मनाभः मासाकः सुवर्णरेताः कं सु मि च मेगु ।

| | | | | | | | |
|----|----|-----|-----|-----|-----|----|-----|
| २२ | र. | मं. | बु. | वृ. | शु. | श. | रा. |
| २९ | ४ | ५ | ५ | १ | ५ | ३ | ३ |
| २९ | २७ | १९ | ० | ८ | २२ | २० | १३ |
| ग. | ३५ | ३० | ४७ | ४० | १० | २४ | ३ |
| ३ | ७ | ५१ | ८ | २ | ९ | ३४ | १४ |
| १८ | ५८ | ३९ | ४७ | ० | ७३ | ६ | ३ |
| ५१ | २५ | ४९ | ३३ | ४४ | ३६ | ३९ | ११ |

| | | | | | | | |
|----|----|-----|-----|-----|-----|----|-----|
| २३ | र. | मं. | बु. | वृ. | शु. | श. | रा. |
| ५ | ५ | ५ | ४ | १ | ६ | ३ | ३ |
| ५ | ४ | २४ | २६ | ८ | १२१ | ११ | ३ |
| ग. | २५ | ६ | ४६ | ३८ | २३ | १० | ४० |
| ३ | ३७ | १५ | १५ | १८ | २४ | ४४ | ५९ |
| १८ | ५८ | ४० | १० | ० | ७३ | ६ | ३ |
| ४३ | ४० | ८ | ४३ | ३८ | ३९ | १७ | ११ |

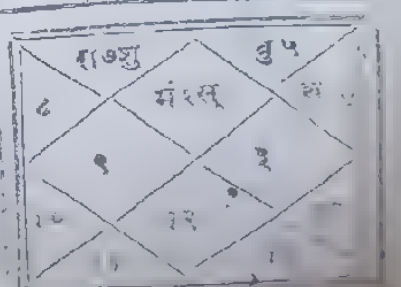
| | | | |
|-------|----|----|----|
| बुधमं | ५ | सु | ३ |
| रा. ७ | ५ | सु | ३ |
| ९ | ११ | १२ | १६ |

[illegible]

नवरात्र्याश्चमः वटस्थापनं मातामहश्राद्धं H ३ तुलायां भौमः ११।४९
चन्द्रोदयः द्विपुष्करः ३८।५५ या. चित्रायां २ भौमः १५ स्वात्यां १
म. ५९।४९ उ. हस्तमे १ सूर्यः ५९।५९ उफायं बुधः ५१
२६।४९ या. १ शुक्रः ३८ Pकोजाग्रत व्रतञ्च हस्तमे ४ सूर्यः ९
उपांग ललिता व्रत पचली भैरवयात्रा K २ कन्यायां बुधः ४२।३
वित्त्वनिमन्त्रणं M सरस्वत्यावाहनं हस्तमे २ सूर्यः २४ चित्रायां H
म. १०।२६ उ. ३८।२० या. भवपत्रिका प्रवेशः (फूजपाती) M
(अष्टद्वार १० ता. ३१) महाष्टमी व्रतं (कुबली भोग्य) उफायां K
सन्वादि महानवमीव्रतं बुद्धजयन्ती (भोगविये स्याको स्याको)
म ३०।१४उ. ५९।४४या. विजया दशमी (टीका+खड्गयात्रा+चालै) T
वैष्णवानां पापांकुशा ए. ब्र (अलं चालै) ध पं प्र. ४।५६
प्रदोष व्रतं चित्रायां ४ भौमः १३ T स्मा. पापांकुशा ए. ब्र. N
विशाखायां शुक्रः ३३ N द्विपुष्करः ५९।४४उ. हस्तमे ३ सूर्यः ४७
म ४।१०उ. ४६।१२ या. अग्नि वलिपूर्तिः (पियया) पूर्णिमाव्रतं P
कार्तिक इत्यानयमभौ र्गपुत्रायाभयच ध पं नि ५२ ३६(कनिपुह्नी)

| | | | | | | | | |
|---------------------------|----|-----|-----|-----|-----|------|-----|------|
| १४ ग. मं. ७, १५ ग. कु. ६, | २४ | सू. | मं. | कु. | हं. | पुं. | शं. | रां. |
| | गं | ५ | ५ | ४ | १ | ६ | ३ | ५ |
| | १२ | ११ | २० | २७ | ८ | ९ | ११ | ११ |
| | गं | १७ | ४३ | २५ | ३० | ५६ | ५५ | १८ |
| | ३ | १२ | ४७ | ५० | ३७ | ४३ | ४७ | ४४ |
| | ५८ | ५८ | ४० | ३१ | २७ | ३६ | ५ | ३३ |
| | २५ | ५६ | २५ | १८ | १२ | १२ | ५० | ११ |

| | | | | | | | | |
|---------------------------|----|-----|-----|-----|-----|------|-----|------|
| १४ ग. मं. ७, १५ ग. कु. ६, | २५ | सू. | मं. | कु. | हं. | पुं. | शं. | रां. |
| | गं | ५ | ५ | ५ | १ | ६ | ३ | ६ |
| | १२ | १८ | २३ | २ | ८ | १८ | २२ | १० |
| | गं | १० | २३ | ४३ | १० | २९ | ३६ | ५६ |
| | ३० | ३० | ४३ | ४ | २३ | ३६ | ४८ | २८ |
| | ३८ | ५२ | ४० | ३० | ४ | ३३ | ५ | ३३ |
| | २८ | १४ | २९ | १० | २३ | ५ | १८ | ११ |

[illegible]

श्री वि.सं. २०३३ शके १८९८ (नेपाली सं. १०९६ कौत्सागा) कातिककृष्ण दक्षिणायनं शरदतु पा. अश्वि. जश्ले. पूजा. वि. स्वा. (अमृतवार)

| | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|-----|-------|----|------|-------|------|-----|------|-------|------|--------|--------|------|------|-----|----|
| २३ | श. | ११२४७ | अ. | ५८५४ | व्या. | ०१० | ते | ४५२२ | सोम्य | मे. | २८५६ | ६१३ | १ | | | |
| २४ | व. | २७५७ | अ. | ६०० | ह. | १२० | व. | ५०३३ | काणद | मे. | २८५१ | ६१४ | १० | | | |
| २५ | ग. | ३२३ | अ. | ५२५ | व. | २५० | व. | ५५३३ | वर | २९५८ | २८४७ | ६१५ | ११ | | | |
| २६ | म. | ४२७ | अ. | ५७ | कु. | ११३० | वि. | ७११ | कौ | ५९५९ | गद | २८४३ | ६१५ | १२ | | |
| २७ | मु. | ५३२ | अ. | ३५ | ग. | १७१४ | क्य | ४५८ | ग | ६०० | शुभ | ४९३५ | २८३९ | ६१६ | १३ | |
| २८ | वृ. | ६३५ | अ. | ७ | मृ. | २५५ | व. | ५१ | ग | ३३५ | मृत्यु | मि | २८३५ | ६१७ | १४ | |
| २९ | शु. | ७३६ | अ. | ५९ | न. | ३५३० | प. | ७१५ | वि. | ६३ | पय | मि. | २८३१ | ६१८ | १५ | |
| ३० | श. | ८३७ | अ. | ३४ | मु. | २७४७ | वि. | १२ | वा. | ७१६ | द्व | १२१२ | २८२६ | ६१९ | १६ | |
| १ | श. | ९३६ | अ. | ५३ | वि. | २८५३ | सा | ५६ | ० | ते | ७१३ | श्रीवल | क. | २८२३ | ६१९ | १७ |
| २ | अ. | १०३५ | अ. | ० | अ. | २८४५ | शु | ५१२० | व. | ५५६ | सोम्य | २८४५ | २८१८ | ६२० | १८ | |
| ३ | म. | ११३२ | अ. | ० | म. | २८३१ | शु | ४५४९ | व. | ३३० | काणद | मि | २८१४ | ६२१ | १९ | |
| ४ | वृ. | १२२८ | अ. | ४ | म. | २५२३ | म | ३९३४ | कौ | ३३ | स्थिर | ३९३९ | २८१० | ६२२ | २० | |
| ५ | शु. | १३२३ | अ. | २० | ज. | २२२७ | न | ३२४१ | वि. | ५०३३ | मान | कं. | २८६ | ६२३ | २१ | |
| ६ | वृ. | १४१७ | अ. | ५२ | ग. | ११८ | वै | २५२३ | न | ४५ | वमृत | ४६५४ | २८० | ६२४ | २२ | |
| ७ | श. | १५१२ | अ. | १४ | वि | १७४५ | वि. | ३९१४ | काण | तु. | २७५८ | ६२५ | २३ | ६२५ | २३ | |

ॐ पूजा सुखरात्रा पुनः कृत्तिकायां ३ गुरुः ३४
 म. ५०।३३ उ. चित्रायां १ सूर्यः ३१ स्वात्यां १ भौमः १३
 म. २३।९ या. हस्तमे बुधः ३२] ३ भौमः २ चित्रायां बुधः ३८
 मङ्गल चौथीः T अश्विन्यां ३ केतुः ४ पूर्वास्तो बुधः ५१
 चित्रायां २ सूर्यः ५२ अश्लेषायां ३ शनिः २७ K (श्वन्तिचह्ने)
 म. ३५।७ उ. विशाखायां ४ वृश्चिके शुक्रः ४३।५१ सौराष्ट्रमोदनामः
 न. ६।३ या. स्वात्यां २ भौमः ५] संवत्सर प्रतिष्ठः २५
 शनि अष्टमी व्रतं
 चित्रायां ३ तुलायामकः १३।५२ संक्रान्तिः अनुराधायां शुक्रः २७
 म. ५।५५ उ. ३५।० या.
 रमा एकादशी व्रतं
 प्रदोषव्रतं गोवत्स द्वादशी यमदीप दानं चित्रायां ४ सूर्यः ३५ स्वात्यां]
 म. २३।२० उ. ५०।३९ या. श्री धन्वन्तरि जयन्ती काकवलि दानं K
 नरकचतुर्दशी अश्विज स्नानं श्वपूजा दशश्राद्धं दीपमालिका लक्ष्मी
 वृश्चिके दश्याकः ४५ गोवलिपूजा (द्वपूजा) स्वात्यां १ राहुः 1

| | | | | | | | |
|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|----|
| २६ | सू. | मं. | कु. | दु. | गु. | ग. | ग. |
| भा | ५ | ६ | ५ | १ | ६ | ३ | १ |
| २६ | २५ | ८ | ११ | ७ | २७ | २३ | १० |
| ग. | ६ | ५ | ३३ | ८ | ३ | १३ | ३ |
| ३३ | २ | ५४ | ४८ | ४५ | १२ | ३२ | १५ |
| १८ | ५५ | ४१ | ८३ | ५ | ७२ | ४ | ३ |
| १६ | ३१ | ३ | ० | ३३ | ५२ | ४३ | ११ |
| २७ | सू. | मं. | कु. | दु. | गु. | ग. | ग. |
| का | ६ | ६ | ८ | १ | ७ | ३ | ६ |
| ३ | २ | ५८ | २१ | ७ | ५ | २३ | १० |
| ग. | ३ | ४२ | १३ | १ | ३४ | ४७ | ११ |
| ३ | ४६ | ७७ | ३ | ४४ | ४० | ३५ | ५ |
| १८ | ५५ | ४१ | १४ | ५ | ७२ | ४ | ३ |
| ६ | ४६ | ११ | ५६ | ५० | १०४ | ५१ | १ |

| | | |
|----|----|----|
| १० | ११ | १२ |
| १ | १३ | १४ |
| १५ | १६ | १७ |

| | | | | |
|-------|-------|-----|-------------|-------|
| म. १९ | गमनम् | मे. | मुनिश्चक्र | न. १९ |
| गमनम् | गमनम् | मि | धननाशः | गमनम् |
| गमनम् | गमनम् | कं | अत्रलाभ | गमनम् |
| गमनम् | गमनम् | मि | व्यय | गमनम् |
| गमनम् | गमनम् | कं | लाभ | गमनम् |
| गमनम् | गमनम् | पुं | सुखम् | गमनम् |
| गमनम् | गमनम् | हुं | रूपभय | गमनम् |
| गमनम् | गमनम् | धं | कष्टम् | गमनम् |
| गमनम् | गमनम् | मं | स्त्रिस्तम् | गमनम् |
| गमनम् | गमनम् | कुं | त्ताभ | गमनम् |
| गमनम् | गमनम् | मा | कार्यानां | गमनम् |

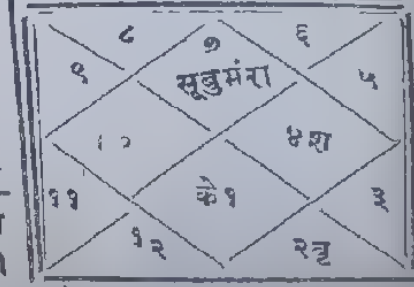
कार्तिक, आसूर्योदक्षिणायने शरदता कार्तिककृष्ण नवम्यां तिथौ पुष्य नक्षत्रे साययोगे गरकरणे रविवासरे आसूर्योदयाद्गतवर्षाधुः १३१५२ श्रीसूर्य कन्यातस्त्रुलायां प्रविष्टस्तदाश्विनो गतः कार्तिक प्रातः ध्वाक्षी वैश्यसुखा कालतो विप्रक्षी विपुत्रक्षारनी तुलामंक्रान्तिश्चप्राप्तेयं धनुरायुधा सीसपात्रहस्ता दुग्धागना गोरोचनलेपा पशुजातिः विक्लव भरणा प्रौढ वायव्य सुखा मुहूर्ता. ३० धान्यत्रं वृष्टिषु समफलदा दिवाकर तलायां सूर्यः कर्कटे चन्द्रः वृषेगुरुः तिथिवारश्चेति पठेत् ।

श्री वि. सं. २०३३ शके १८९८ (नेपाली सं. १०९७ कछलाथव) कार्तिक शुक्ल दशम्यायनं शरदः पा. स्वा. अनु. ध. २४ श. अश्वि. (अक्टूबर-नवम्बर)

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|----|----|----|----|----|----|-----|
| ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० | | | | | | | |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |

त्रिपुराकरः १०।४४३. गोवर्धनपूजा समद्वितीया (भार्गवीका) स्वात्यां I
 T४ भौमः ५७ चन्द्रोदयः (नेपाल सं. १०९७ प्रविष्ट) चित्रायां I
 भ. २१।४२३. ४८।५९५. मङ्गल चौथी I ३ तुलायां बुधः ४८।४३
 स्वात्यां २ सूर्यः १५ + चातुर्मास्य व्रतपूर्तिः (सकिमना पुत्री) X
 स्वात्यां बुधः ४५ ज्येष्ठायां शुक्रः २५ X विशाखायां १ सूर्यः १३
 भ. ३६।५३३. विशाखायां १ भौमः ४७ H ३ सूर्यः ३६
 भ. ५।५० या. शनि अष्टमी व्रतं गोपाष्टमी (मुखाष्टमी) स्वात्यां H
 कुम्भाण्ड नवमी सत्ययुगादि (सकोचगुवने) धनिष्ठा पञ्चक K
 (नवम्बर ११ ता. ३०) S विशाखायां बुधः २८ K प्रवृत्तिः २३।०
 भ. ५।७ उ. ३५।५७ या. हरिबोधनी ए. व. भीष्मपञ्चकारम्भः N
 मन्वादि विशाखायां २ भौमः ३६ O स्वात्यां ४ सूर्यः ५५
 प्रदोष व्रतं N तुलसी विवाह त्रिपुर. ३५।५७ उ. ५९।२० या. O
 भ. ४७।३४३. वक्रुथ चतुर्दशी व्रतं धनिष्ठा पञ्चक निवृत्तिः २।३६ S
 भ. २०।११ या. मन्वादि पूर्णिमाव्रतं त्रिपुरोत्सवः कार्तिकस्नानं तथा।

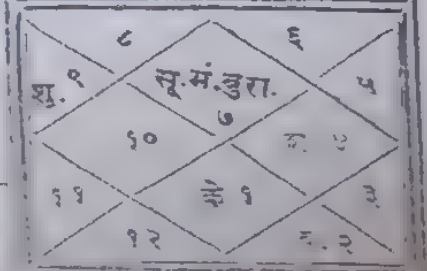
| २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| का | क | ख | ग | घ | ङ | च | छ | ज | झ | ञ | ट | ठ | ड | ढ | ण | त | थ | द | ध | न | प | फ | ब | भ | म | य | र | ल | व | श | ष | स | ह | ळ | ॠ | ॡ | इ | ई | उ | ऊ | ऋ | ॠ | ॡ | ॢ | ॣ | । | ॥ | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |



कार्तिक माहेनाभा स्नानगदा भन्ने मन्त्र—कार्तिकहं करिष्यामि प्रातः स्नानं जनादेनः । प्रीत्यर्थं तवदेवेश दामोदर मयासह । प्रदीपं ते प्रयच्छामि नमोनन्ताय वेधसे । कागत्पारमा कागलाई भातदिदा भन्ने-ऐन्द्र वासुण वायव्यां आभ्यां वैनिश्चयिस्तथा । वायसा प्रति गृह्णन्तु मया दत्तं बलित्विमं । कुरुर लाई बलि दिने मन्त्र द्वौ श्वानौ श्याम शबलौ वैवस्वत कुलोद्भवौ । ताभ्यामन्नं प्रयच्छामि रक्षतां पथिसर्वदा । गोप्रास दिदा भन्ने-मन्त्र—सुरभि वैष्णवी माता नित्यं विष्णुपदे स्थिता । गोप्रासस्तु मया दत्तं सुरभिः प्रियता मिति । बलि राजा लाई प्राधना गर्ने मन्त्र—बलिराज नमस्तुभ्यं दैत्यदानव वन्दितः । इन्द्र शत्रो मरारते विष्णुः साक्षिधयो भवः । गोवर्धन पूजागर्ते मन्त्र—गोवर्धन धरा धार गोकुल त्राण कारकः । बहु बाहु कृतच्छाय गवां कोटि प्रदोभवः ॥ भातृ द्वितीयां-स्नेहेन भगिनी हस्ताद् भोक्तव्यं पुष्टि वर्धनं । दानानि च प्रदेयानि भगिनिभ्यो विशेषतः । आकाश बत्ती बालने भद्र—दामोदराथ न भसि तुलायां दोलया सह । प्रदीपं ते प्रयच्छामि नमोनन्ताय वेधसे ॥

[illegible]

दशश्राद्धम् । Rयात्रा) अनुाधायं १ भाषः ५८ पतः १त्तिकायां -

[illegible]

मांजि : आमुने इय दक्षिणायने हेमन्तर्तौ मांजि कृष्ण
 दशमर्तौ मिथ्या पूजा नम्रे वैद्यवित्तो वरुज करे धौमवापरे
 अमुने इय दक्षिणायने हेमन्तर्तौ मांजि कृष्ण
 दशमर्तौ मिथ्या पूजा नम्रे वैद्यवित्तो वरुज करे धौमवापरे
 अमुने इय दक्षिणायने हेमन्तर्तौ मांजि कृष्ण
 दशमर्तौ मिथ्या पूजा नम्रे वैद्यवित्तो वरुज करे धौमवापरे

श्री वि. सं. २०३३ शके १८९८ (नेपाली सं० १९९७ धिक्ताव) मार्गशीर्ष शुक्ल: दक्षिणायन हेमन्तर्तु पा. अनु. २४ श. अश्वि. २ (नवम्बर-दिसम्बर)

विषयसूचिका

मागशापशुक्लः दक्षिणायनं हेमन्तर्तुं पा. अनु. २४ शा. अश्वि. २ (नवम्बर-दिसम्बर)

प्र

प्र

प्र

| | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|------------|------|----|-------|----|----|-------|--------|----|------|---------|--------|------|-----|-----|-----|----|---|
| १ | १२९ | ५४ | अ. २२ | २३ | १० | १७ | कि. २३ | ५४ | मानग | वृ. | २६ | १७ | ६४५ | २२ | | | |
| ८ मं | २२४ | ३४ | ज्ये. | १८ | २१ | पु. | ३ | ४४ | ३४ | मुद्गर | १८ | २१ | २६ | १३ | | | |
| ९ वृ. | ३१९ | ५० | मृ. | १५ | १३ | - | ४१ | ४३ | ४७ | केतु | ४० | १२ | ४६ | २३ | | | |
| १० वृ. | ४१५ | ५७ | पू. | १२ | ५० | गं. | ४३ | ९३ | ४४ | २० | माना | २७ | ११ | ४६ | २५ | | |
| ११ तु. | ५१२ | ४८ | उ. | ११ | २२ | वृ. | ३८ | ५ | ४१ | ४९ | काकदंड | २६ | ९ | ४६ | २६ | | |
| प्र-१२ श. | ६१० | ५१ | अ. | १० | ५९ | तु. | ३३ | ५३ | ४० | २९ | मिथु | ४१ | २० | २६ | ८ | | |
| १३ र. | ७१० | ७ | व. | ११ | ४२ | ज्या. | ३० | ४० | ४० | २३ | मानग | कुं. | २६ | ६ | ४७ | २८ | |
| १४ त. | ८१० | ३९ | श. | १३ | ४३ | ह. | २८ | २४ | ४१ | ३४ | अमृत | कुं. | २६ | ५ | ४७ | २९ | |
| १५ मं | ९१२ | २९ | पू. | १६ | २९ | व. | २७ | १० | ४३ | ५९ | काण | ११ | २६ | ४ | ४७ | ३० | |
| १६ तु. | १०१५ | ३० | उ. | २१ | २३ | जि. | २६ | ४८ | ४७ | ३३ | लुम्ब | मी | २६ | २ | ४८ | १ | |
| १७ वृ. | १११९ | ३७ | रे. | २६ | ५० | व्य. | २७ | १५ | ५२ | ४ | मित्र | २६ | ५० | २६ | १ | ४८ | २ |
| प्र-१८ गृ. | १२२४ | ३१ | अ. | ३२ | ५६ | ५ | २८ | १२ | ५७ | ११ | वज्र | मे. | २५ | ५९ | ६४८ | ३ | |
| १९ श. | १३२५ | ५२ | म. | ३९ | २८ | ७ | २९ | ३१ | ६० | ० | ध्वज | ५६ | ४२ | ५३८ | ४ | ४८ | ४ |
| २० | १४३५ | १२ | ४५ | ५ | ३० | ५९ | ३० | ५९ | २३२ | धूम्र | वृ. | २५ | ५६ | ६४९ | ५ | ४९ | ५ |
| २१ | १५४० | ६ | ५१ | ५३ | ३१ | ५१ | ३१ | ५१ | ३३९ | प्रवर्ध | वृ. | २५ | ५५ | ६४९ | ६ | ४९ | ६ |

धनुषि दृश्याकः ३२ अनुराधायां २ सूर्यः ४३ अनुराधायां २ भौमः ४३
चन्द्रोदयः N मेला भौमरी पुष्पा) ज्येष्ठायां १ भौमः ४६
म. ४०५१ उ. पश्चिमोदितो बुधः ८ २६१९२
म. १५५२ या. १८१२२
४४५४
(जनकपुरमा विवाह पञ्चमी मेला) अनुराधायां ३ सूर्यः ०११३
धनिष्ठापञ्चक प्र. ४१२० द्विपुष्करः १०१५९ उ. अनुराधायां ३ भौमः २७
म. १०१७ उ. ४०२३ या. द्विपुष्करः १०१७ या. रवि सप्तमी K
सोमाष्टमी व्रतं (वसु मंद) अनुराधायां ४ सूर्यः १६ मूले १ धनुषि
उषायां शुक्रः ४१ K भाद्रपदः वक्रा शनिः ५९१३३
म. ४७१३३ उ. (दिसंबर १२ ता. ३१) ऽ बुधः १९१२१
म. १९१३७ या. मोचदा ए. ब. चनिवञ्चक निवृत्तिः २६१५० ज्येष्ठायां J
उषायां २ मकरे शुक्रः २९१२२ (जौगुनारायण महास्तान)
शनि प्रदोषव्रतं J १ सूर्यः ३३ अनुराधायां ४ भौमः ०
म. ३५१२ उ. काशिरथ पिशाचमोचन तथैश्वर्य ज्येष्ठायां २ सूर्यः ४८
म. ७१३९ या. पश्चिमा व्रतं दत्तात्रेय जयन्ती (गैतपञ्चा धनेश्वर)

धनुषि दश्याकः ३२ अनुराधायां २ सूर्यः ४३ अनुराधायां २ भौमः ४३
चन्द्रोदयः N मेला भौमरी पुष्पा) ज्येष्ठायां १ भौमः ४५
म. ४७।५१ उ. पश्चिमोदितो बुधः ८ २६।१२
म. १५।५२ या. १७।३२
(जनकपुरमा विवाह पञ्चमी मेला) अनुराधायां ३ सूर्यः ०।१३
धनिष्ठापञ्चक प्र. ४१।२० द्विपुष्करः १०।५९ उ. अनुराधायां ३ भौमः २७
म. १०।७ उ. ४०।२३ या. द्विपुष्करः १०।७ या. रवि सप्तमी K
सोमाष्टमी व्रतं (वसु मंद) अनुराधायां ४ सूर्यः १६ मूले १ धनुषि
उषायां शुक्रः ४१ K भाद्रपदः वक्रा शनिः ५९।३३
म. ४७।३३ उ. (दिसंबर १२ ता. ३१) † बुधः १९।२१
म. १९।३७ या. मोक्षदा ए. व. चनिवञ्चक निवृत्तिः २६।५० ज्येष्ठायां J
उषायां २ मकरे शुक्रः २९।२२ (चौगुनारायण महास्नान)
शनि प्रदोषव्रतं J १ सूर्यः ३३ अनुराधायां ४ भौमः ०
म. ३५।१२ उ. काशस्थ पिशाचमोचन तिर्थश्राद्ध ज्येष्ठायां २ सूर्यः ४८
म. ७।३९ या. पूर्णिमा व्रतं दत्तात्रेय जयन्ती (गैह्रपूजा, धनेश्वर. N)

| च. सं. | ३२ | मृ. | मं. | तु. | शु. | शु. | श. | ग. |
|--------|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|----|
| मा | ७ | ७ | ७ | १ | ८ | ३ | | |
| ८ | ७ | ७ | २० | २ | १७ | २५ | | |
| ९ | १४ | ३३ | ३० | ३ | ५ | ५० | १४ | २० |
| १० | ५४ | २४ | ३६ | ४ | १० | ३४ | ४६ | |
| ११ | ४२ | ५९ | ७ | ५ | | | | |
| १२ | ३५ | ३६ | ४४ | ६ | ३२ | ३१ | ११ | |
| १३ | ३५ | ३५ | ३५ | ७ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| १४ | ३५ | ३५ | ३५ | ८ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| १५ | ३५ | ३५ | ३५ | ९ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| १६ | ३५ | ३५ | ३५ | १० | ३५ | ३५ | ३५ | |
| १७ | ३५ | ३५ | ३५ | ११ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| १८ | ३५ | ३५ | ३५ | १२ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| १९ | ३५ | ३५ | ३५ | १३ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| २० | ३५ | ३५ | ३५ | १४ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| २१ | ३५ | ३५ | ३५ | १५ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| २२ | ३५ | ३५ | ३५ | १६ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| २३ | ३५ | ३५ | ३५ | १७ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| २४ | ३५ | ३५ | ३५ | १८ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| २५ | ३५ | ३५ | ३५ | १९ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| २६ | ३५ | ३५ | ३५ | २० | ३५ | ३५ | ३५ | |
| २७ | ३५ | ३५ | ३५ | २१ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| २८ | ३५ | ३५ | ३५ | २२ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| २९ | ३५ | ३५ | ३५ | २३ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ३० | ३५ | ३५ | ३५ | २४ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ३१ | ३५ | ३५ | ३५ | २५ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ३२ | ३५ | ३५ | ३५ | २६ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ३३ | ३५ | ३५ | ३५ | २७ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ३४ | ३५ | ३५ | ३५ | २८ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ३५ | ३५ | ३५ | ३५ | २९ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ३६ | ३५ | ३५ | ३५ | ३० | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ३७ | ३५ | ३५ | ३५ | ३१ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ३८ | ३५ | ३५ | ३५ | ३२ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ३९ | ३५ | ३५ | ३५ | ३३ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ४० | ३५ | ३५ | ३५ | ३४ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ४१ | ३५ | ३५ | ३५ | ३५ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ४२ | ३५ | ३५ | ३५ | ३६ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ४३ | ३५ | ३५ | ३५ | ३७ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ४४ | ३५ | ३५ | ३५ | ३८ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ४५ | ३५ | ३५ | ३५ | ३९ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ४६ | ३५ | ३५ | ३५ | ४० | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ४७ | ३५ | ३५ | ३५ | ४१ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ४८ | ३५ | ३५ | ३५ | ४२ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ४९ | ३५ | ३५ | ३५ | ४३ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ५० | ३५ | ३५ | ३५ | ४४ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ५१ | ३५ | ३५ | ३५ | ४५ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ५२ | ३५ | ३५ | ३५ | ४६ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ५३ | ३५ | ३५ | ३५ | ४७ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ५४ | ३५ | ३५ | ३५ | ४८ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ५५ | ३५ | ३५ | ३५ | ४९ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ५६ | ३५ | ३५ | ३५ | ५० | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ५७ | ३५ | ३५ | ३५ | ५१ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ५८ | ३५ | ३५ | ३५ | ५२ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ५९ | ३५ | ३५ | ३५ | ५३ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ६० | ३५ | ३५ | ३५ | ५४ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ६१ | ३५ | ३५ | ३५ | ५५ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ६२ | ३५ | ३५ | ३५ | ५६ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ६३ | ३५ | ३५ | ३५ | ५७ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ६४ | ३५ | ३५ | ३५ | ५८ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ६५ | ३५ | ३५ | ३५ | ५९ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ६६ | ३५ | ३५ | ३५ | ६० | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ६७ | ३५ | ३५ | ३५ | ६१ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ६८ | ३५ | ३५ | ३५ | ६२ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ६९ | ३५ | ३५ | ३५ | ६३ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ७० | ३५ | ३५ | ३५ | ६४ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ७१ | ३५ | ३५ | ३५ | ६५ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ७२ | ३५ | ३५ | ३५ | ६६ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ७३ | ३५ | ३५ | ३५ | ६७ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ७४ | ३५ | ३५ | ३५ | ६८ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ७५ | ३५ | ३५ | ३५ | ६९ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ७६ | ३५ | ३५ | ३५ | ७० | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ७७ | ३५ | ३५ | ३५ | ७१ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ७८ | ३५ | ३५ | ३५ | ७२ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ७९ | ३५ | ३५ | ३५ | ७३ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ८० | ३५ | ३५ | ३५ | ७४ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ८१ | ३५ | ३५ | ३५ | ७५ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ८२ | ३५ | ३५ | ३५ | ७६ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ८३ | ३५ | ३५ | ३५ | ७७ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ८४ | ३५ | ३५ | ३५ | ७८ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ८५ | ३५ | ३५ | ३५ | ७९ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ८६ | ३५ | ३५ | ३५ | ८० | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ८७ | ३५ | ३५ | ३५ | ८१ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ८८ | ३५ | ३५ | ३५ | ८२ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ८९ | ३५ | ३५ | ३५ | ८३ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ९० | ३५ | ३५ | ३५ | ८४ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ९१ | ३५ | ३५ | ३५ | ८५ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ९२ | ३५ | ३५ | ३५ | ८६ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ९३ | ३५ | ३५ | ३५ | ८७ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ९४ | ३५ | ३५ | ३५ | ८८ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ९५ | ३५ | ३५ | ३५ | ८९ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ९६ | ३५ | ३५ | ३५ | ९० | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ९७ | ३५ | ३५ | ३५ | ९१ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ९८ | ३५ | ३५ | ३५ | ९२ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| ९९ | ३५ | ३५ | ३५ | ९३ | ३५ | ३५ | ३५ | |
| १०० | ३५ | ३५ | ३५ | ९४ | ३५ | ३५ | ३५ | |

| शु. ९ | रा. ७ |
|-------|-------|
| १० | ११ |
| ११ | १२ |
| १२ | १३ |
| १३ | १४ |
| १४ | १५ |
| १५ | १६ |
| १६ | १७ |
| १७ | १८ |
| १८ | १९ |
| १९ | २० |
| २० | २१ |
| २१ | २२ |
| २२ | २३ |
| २३ | २४ |
| २४ | २५ |
| २५ | २६ |
| २६ | २७ |
| २७ | २८ |
| २८ | २९ |
| २९ | ३० |
| ३० | ३१ |

मार्ग कृष्ण प्रतिपदाका दिन त्रिजटाजाई अर्धदिनेमन्त्र—रामाय वरदे देवा सातायै प्रियवादिना । गृहाणार्घ्यं मयादत्तं त्रिजटायां नमो नमः ॥ बाला चतुर्दशीका दिन शतबीज जर्ने र पशुपति गुह्येश्वरा नागराज वासुकाको दर्शन तथा पूजाको महालय हेमाद्रि खण्डमा लेखिएको छ । मार्ग शुक्ल चतुर्दशी का दिन काशिको पिशाचमोचन भन्ने तीर्थमा श्राद्ध गर्नाले आफ्ना कुलमा कोहि पिशाच भएका छन् भने मुक्त हुन्छन् भन्ने उल्लेख छ । मार्गशीर्ष देखि लिएर बाह्र महिनाका श्राद्धतिथीका व्रतमा खानेपदार्थ पत्रत्रिवं तुलस्या स्त्रीपलमथयुतं मार्गशीर्ष्यादिभक्ष्यमुष्टानां त्रिस्तिलानां त्रिपलदधि तथा दुग्धकंगोमयं च । त्रिवं तोयाञ्जलीनां त्रिमरिचक मथो त्रिपला सक्तवः स्युर्गोमुत्रं सद्भावविति विधिना भानुवार क्रमेण । मार्गशीर्षचतुर्दशी तथा औंसीका दिन बादल लाग्यो भने सुभिक्षमै अन्नसस्तोहुन्छ । मार्गकृष्ण पंचमीका दिन बादल लागी वर्षा भएमा दुभिक्ष हुन्छ ।

३५१९२

४ पुं रात्रि २१ ई ३२ २० ई ७६ ३५ न ज्ञातः । ति १८ मा २९ दि ३५ । अणायनं हेमन्तः पा. २४ पूभा, अश्वि, आ. पु (दिस. १९७७ जनवरी)

[illegible]

| | | |
|----|---|---|
| 10 | 2 | 8 |
| 11 | 9 | 7 |
| 6 | 5 | 4 |

माघ स्नान सुरु हुन्छ स्नान गर्दा भन्ने मन्त्रः—दुःख दारिद्र्य नाशाय श्रीविष्णोः स्तोषणाय च । प्रातस्नानं करोम्यद्य माघे पाप विनाशनं ॥ मकरस्थे रवौ माघे गोविन्दाज्युत माधवः । स्नानेनानेन मे देव यथोक्त फलदो भवः । पौष कृष्ण को आधा रातमा मेघ गर्जेको सुनियो भने आगामी वर्षा अतुमा उत्तम वर्षा हुने सूचना हो तेस्तै पौष शुक्ल पञ्चमी मा पनि बादल मात्र लाग्ने वर्षा नहुने भयो भने वर्षा अतुमा रात्रो वर्षा हुन्छ ।

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|-------|------|------|-------|------|----|------|--------|--------|-------|------|-----|--|--|---|--|---|--|
| १ | १०८५६ | पु. | २२५३ | वे. | ४९५५ | त. | ५०११ | नि. | ७ | ४८५५४ | ६४९ | ७ | T स्नान (१५ चाकु हल्लू) | श्री अर्जुन फला मासदेवता | | | | |
| २ | २०८०० | वि. | २४४५ | वि. | ३८५४ | न. | ५८ | उत्पात | कं | १५५५ | ६४९ | ७ | म. ५८।३ उ पायाय ४ सूर्यः २५ मूलो | माधनः मामाकोरुणः | | | | |
| ३ | ३०८५० | अ. | २५३४ | प्रो. | ३५ | ४५ | ५४८० | मान | २५ | २५५४ | ६४९ | ८ | म. २०।४ या वक्रण मुने बुधः १८ | मकरे सूर्यः तुलायां चंद्रः | | | | |
| ४ | ४०८५५ | म | २५ | २५ | ३०१२ | को | ५४ | मुद्रा | मि | २५५८ | ६४८ | ९ | ‡ प्यायां शुक्रः ३ । ४ भौम ४५ | मेपेगुरुः तिथिवारं चेति | | | | |
| ५ | ५०८३० | पु. | २३४९ | न. | २४४४ | गा | ५० | ध्वज | ३८ | ५२५५२ | ६४८ | १० | उपायां १ सूर्यः ४० (श्री ५ ब्रह्मा महाराजा पृथ्वी नारायण जयश्री) | | | | | |
| ६ | ६०८३५ | उ | २३१२ | तो | १८२४ | वि | ४६ | घाना | कं | २६ | १ | ६४८ | ११ | म. १८।३९ उ. ४२।१० या. त्रिपुष्करः १८।३९ उ. २१।१९ या. | | | | |
| ७ | ७०८५६ | ट. | १८१२ | अ | ११२९ | वा | ४१ | ज्ञान | ४६ | २२ | २६ | १२ | ६४८ | १२ | अष्टमांशं पूर्वोदितो बुधः ४ पूषायां १ भौमः १५ | | | |
| ८ | ८०८३० | नि | १४३३ | उ | ४६ | २६ | ३५४६ | वर | नु. | २६ | ४ | ६४८ | १३ | उपायां २ मकरैकः ५५।५३ अश्लेषायां २ शनि. २० | | | | |
| ९ | ९०८३५ | स्वा | १०३३ | उ | ४८ | ३१ | व. | ३० | ० | गद | ५२ | २४ | १४ | ६४८ | १४ | म. ३०।० उ ५०।४ या. संक्रान्तिः उत्तरायण प्रवृत्तिः कङ्कमून T | | |
| १० | ११५११ | वि. | ६२२ | गे | ४० | ३० | व. | २४ | ८ | शुभ | वृ. | २६ | १५ | ६४८ | १५ | स्मातानां पट्टिका एकादशी व्रतं मार्गी बुधः २४ | | |
| ११ | १२५४५ | अ | ४८ | ३० | ४२५ | को | १८ | २५ | मृत्यु | ५८ | ३० | २६ | १६ | ६४८ | १६ | वैष्णवानां पट्टिका एकादशी व्रतं पूषायां २ भौमः ४१ | | |
| १२ | १३४० | २५ | मु. | ५५ | २५ | ३२ | गा | १३ | ३ | लुम्ब | ध. | २६ | १७ | ६४८ | १७ | म. ४०।२९ उ. सोम प्रदोषव्रतं उपायां ३ सूर्यः ११ मार्गी गुरुः ४९ ‡ | | |
| १३ | १४३५५ | ई | ५० | २५ | १८ | ३४ | वि. | ८ | १२ | मित्र | ध. | २६ | १८ | ६४८ | १८ | म. ६।१२ या. (लें चढे पूजा) | | |
| १४ | १५३०१ | उ | ५० | ३४ | ह. | १२ | १३ | व. | ४ | ३ | वज्र | ६५० | २६ | १२ | ६४५ | १९ | दर्शाद्द' मौनी अमावास्या त्रिवेणी स्नानसेवा | |

३९ र म ५ १ ५ म र
 मा ८ ८ ८ ० ० ३ ५
 २८ ५ ५ १ ८ ५ १ ३ ३
 न १ ३ ३ ३ ३ १ ० ५ ५
 ३ ४ १ ५ ५ ५ ५ १ ३ १ ०
 १ ६ १ ४ ५ ५ १ ३ ५ ३
 २ १ ८ १ ६ ० ० ० ३ ८ १ १
 ४ ० र न ३ ३ १ ५ ५
 मा ९ ८ ८ ० १ ३ ५
 ५ ४ १ ० १ १ ० ० १ ०
 ग २ ५ ५ ० ३ ५ ५ १ ५ ५
 ३ ५ ५ ६ ४ ३ ५ ५ ५
 १ ५ ६ १ ४ ४ ० ० ५ १ ४ ३
 ५ ८ १ ० ० १ ५ ८ ५ ३ १ १

| | | |
|----|--------|---|
| 10 | 1 | 2 |
| 11 | सुखं १ | 3 |
| 12 | 4 | 5 |

५५।५३ श्रीमूर्त्योऽधनुषायमकर प्रविष्टस्तदा दक्षिणायनाः हेमन्तर्तुः पौषमासा उत्तरायणाः शरद्वर्तुः मघा
प्रासाः । वारता मन्दा विप्रमुखा नक्षत्राः महोदरी चौरमुखा काशतः पशुपालकक्षी अश्वना नागो मकर
संक्रान्तिश्च प्राग्देव-नाञ्जकरुदा खरोपवाहना रक्तवस्त्रा धनुर्धर्युधा सीमपात्रहस्ता दुग्धाशना गोत्र नन्दनः
पशुमार्तिः विल्वपुष्पा निविष्टा दुग्धस्रावस्था कङ्कशाभरणा प्रौढा वायव्य मुखा मुहूर्ताः १५ धान्यस्य शिथिलः

| | | | | | | | | | | | | |
|---------------|-----------|-------------------------|-------|---------------|---------|----------------------|----------|------------------|-------|----------------------|-------|------|
| सुखं प्रमदं | कर्म प्रा | कर्मिण | कर्म | गमनम् | गन्तुना | द्वयम् | मानना | ध्या प्रा | भयम् | स्थानना | व्ययः | लाभः |
| मे. न | मि. | क. | दि. | कं. | तु. | यु. | ध. | मं. | कं. | ना | | |
| वि. स्वा. वि. | गमनम् | प्र. श्वे. मू. पू. ड. श | सुखम् | ध. श. पू. . . | बीडा | उ. रे. श. म. कू. रो. | वस्त्रम् | स्य. भा. तु. . . | हानिः | प्र. श. म. पू. उ. ह. | धनम् | |

श्री वि. सं. २०३३ शाके १८९८ (ने. सं. १०९७ शिलाश्व) माघ शुक्लः उत्तरायणं शिशिरतः पा. २४ पूभा. अश्वि. कृ. मृ. अरुण. जन्वती-फरवरी)

| | | | | | | | | | | |
|---------|--------|------|------|------|------|--------|------|--------|------|-------|
| ७ वृ. | १२९२३ | अ. | ४९४४ | व. | ६३४ | क. | ५३३ | केतु | २६१६ | ६४५२० |
| ८ मृ. | २२७४२ | ध. | ४९५९ | सि | ५७२८ | ते | ५७२८ | घाता | १९५१ | २६१९ |
| ९ श. | ३२७१५ | वा. | ५१२७ | न. | ५५३ | वा | ५७३९ | आनन्द | कुं. | २६२२ |
| १० र. | ४२८४४ | पू. | ५४१५ | प. | ५३१० | व. | ५९७ | चर | ३८३० | २६२५ |
| ११ म. | ५३०११ | उ. | ५८६ | जि | ५२१५ | कौ | ६०० | गद | मी | २६२७ |
| १२ मं. | ६३३२९ | रे. | ६०० | सि | ५२११ | कौ | १५० | शुभ | मी | २६३० |
| १३ कुं. | ७३७४७ | रे. | ६८५ | सा | ५२५१ | ग. | ५३८ | उत्पात | ३८२६ | २६३३ |
| १४ वृ. | ८४२५० | अ. | ९१९ | शु | ५३५९ | वि. | १०१८ | मानस | मे. | २६३७ |
| १५ श. | ९४८१६ | म. | १५२५ | शु | ५५२४ | वा. | १५३३ | मुद्गर | ३२३ | २६४० |
| १६ श. | १०५३३७ | कृ. | २२० | म | ५६३२ | ३ | २०५६ | केतु | वृ. | २६४४ |
| १७ र. | ११५८२७ | गो. | २८१६ | लं | ५७३२ | दा. | २६२ | घाता | वृ. | २६४७ |
| १८ मं. | १२६०० | मृ. | ३३११ | वृ. | ५७४७ | व. | ३०२७ | आनन्द | १ | २६५० |
| १९ मं. | १२२२७ | ३८३९ | वि. | ५७१५ | कौ | ३३५४ | चर | सि | २६५४ | २६५७ |
| २० कुं. | १३५०० | ४२६ | न. | ५५४५ | ३३१२ | गद | २६११ | २६५७ | २६५७ | २६५७ |
| २१ वृ. | १४७२५ | ४४२९ | ५३१८ | वि. | ३७१३ | शुभ | क. | २७१ | २६६१ | २६६४ |
| २२ मं. | १५७२५ | ४५२५ | ४९५० | वा. | ३६५७ | मृत्यु | ४५२५ | ४९५० | ४९५० | ४९५० |

कुम्भे द्वाकां. १६ अभिजिति सूर्यः २० । मकरे भौमः २६।१६
चन्द्रोदयः धनिष्ठापञ्चक प्रवृत्तिः १९।५१ पूषायां ३ भौमः ११X
म. ५७.३९ उ. पूर्वोदितो भौमः ५४ X मार्गेण पूषायां बुधः ३
म. २८।४ या. तिलचतुर्थी कुन्दचतुर्थी श्रवणे १ सूर्यः ४३
श्रीपञ्चमी वसन्त श्रवणं सरस्वती जयन्ती रतिकाम पूजा सूर्य-S
स्कन्दपञ्चमी पूषायां ४ भौमः ३५ Sस्याभिजित्याग ३५
म. ३७।४७ उ. मन्वादि अचला सप्तमी (लगला चूयके) धनिः T
म. १०।१८ या. अष्टमी व्रतं भीष्माष्टमी उषायां बुधः ३३ पूषायां
द्रोण नवमी Tपं. निवृत्तिः ३।८ श्रवणे २ सूर्यः ५९।२५
शत्य दशमी उषायां १ भौमः ५८।५४ ४४ मीनेशुकः ४।३३
म. २६।२ उ. ५८।२७ या. स्मार्तानां भीमा एकादशी व्रतं द्विप्रकर.()
वैष्णवानां भीमा एकादशी व्रतं / सन्याहुता)
(फरवरी २ ता. २८) प्र. ज. भौम हा (५८।२७ उ. श्रवणे ३ P
श्रवणे ४ सूर्यः ७२ सौभाग्य शुद्धातं Pसूर्यः १५ उषायां बुधः ३८
म. ७।२ उ. ३७।१३ या. पूषायां व्रतं श्रीस्वस्थानी व्रतपूर्तिः श्रावण पते-
माघस्ताप पूते माघयात्रा (विप्रत्ती) नैकाया दशमं उषायां २

| | | | | | | | | | | |
|---------|--------|------|------|------|------|--------|------|--------|------|-------|
| ७ वृ. | १२९२३ | अ. | ४९४४ | व. | ६३४ | क. | ५३३ | केतु | २६१६ | ६४५२० |
| ८ मृ. | २२७४२ | ध. | ४९५९ | सि | ५७२८ | ते | ५७२८ | घाता | १९५१ | २६१९ |
| ९ श. | ३२७१५ | वा. | ५१२७ | न. | ५५३ | वा | ५७३९ | आनन्द | कुं. | २६२२ |
| १० र. | ४२८४४ | पू. | ५४१५ | प. | ५३१० | व. | ५९७ | चर | ३८३० | २६२५ |
| ११ म. | ५३०११ | उ. | ५८६ | जि | ५२१५ | कौ | ६०० | गद | मी | २६२७ |
| १२ मं. | ६३३२९ | रे. | ६०० | सि | ५२११ | कौ | १५० | शुभ | मी | २६३० |
| १३ कुं. | ७३७४७ | रे. | ६८५ | सा | ५२५१ | ग. | ५३८ | उत्पात | ३८२६ | २६३३ |
| १४ वृ. | ८४२५० | अ. | ९१९ | शु | ५३५९ | वि. | १०१८ | मानस | मे. | २६३७ |
| १५ श. | ९४८१६ | म. | १५२५ | शु | ५५२४ | वा. | १५३३ | मुद्गर | ३२३ | २६४० |
| १६ श. | १०५३३७ | कृ. | २२० | म | ५६३२ | ३ | २०५६ | केतु | वृ. | २६४४ |
| १७ र. | ११५८२७ | गो. | २८१६ | लं | ५७३२ | दा. | २६२ | घाता | वृ. | २६४७ |
| १८ मं. | १२६०० | मृ. | ३३११ | वृ. | ५७४७ | व. | ३०२७ | आनन्द | १ | २६५० |
| १९ मं. | १२२२७ | ३८३९ | वि. | ५७१५ | कौ | ३३५४ | चर | सि | २६५४ | २६५७ |
| २० कुं. | १३५०० | ४२६ | न. | ५५४५ | ३३१२ | गद | २६११ | २६५७ | २६५७ | २६५७ |
| २१ वृ. | १४७२५ | ४४२९ | ५३१८ | वि. | ३७१३ | शुभ | क. | २७१ | २६६१ | २६६४ |
| २२ मं. | १५७२५ | ४५२५ | ४९५० | वा. | ३६५७ | मृत्यु | ४५२५ | ४९५० | ४९५० | ४९५० |

| | | |
|----|----|---------|
| ११ | ६. | वृ. मं. |
| १२ | ६. | वृ. मं. |
| १३ | ६. | वृ. मं. |
| १४ | ६. | वृ. मं. |
| १५ | ६. | वृ. मं. |
| १६ | ६. | वृ. मं. |
| १७ | ६. | वृ. मं. |
| १८ | ६. | वृ. मं. |
| १९ | ६. | वृ. मं. |
| २० | ६. | वृ. मं. |
| २१ | ६. | वृ. मं. |
| २२ | ६. | वृ. मं. |

माघशुक्ल सप्तमी सा स्नानार्थी भन्ने मन्त्र—यद्यद्व कृतं पापं यच्च जन्मान्तराणि । मनोजं कश्चनं यदि ज्ञाता ज्ञाते च ये पुनः ॥ इति
सप्त विं पाप स्नानान्मे सप्त वसिके । सप्तव्याधि समयुक्तं हर साकरि सप्तमी ॥
सप्त विं पाप स्नानान्मे सप्त वसिके । सप्तव्याधि समयुक्तं हर साकरि सप्तमी ॥
सप्त विं पाप स्नानान्मे सप्त वसिके । सप्तव्याधि समयुक्तं हर साकरि सप्तमी ॥

श्री वि.सं. २०१३ शाके १८९८ (नेपाली सं. १०९७) शिलागा, फाल्गुनकृष्णः उत्तरायणं शिशिरर्तुः पा. १० पू.का.चि.वि.अनु.उपा.अभि.श्र. २४ध.श. (फरवरी)

| दि. | शु. | मं. | पू. | अ. | वि. | अनु. | उपा. | अभि. | श्र. | ध. | श. | पञ्च. | वि. | २७ | ७ | ६३५ | ५ |
|-----|-----|-----|-------|----|-----|------|------|------|------|---------|-----|-------|-----|-----|-----|-----|---|
| २३ | १ | ६३० | म. | ४५ | १७ | ४५ | २६ | ३५ | २७ | पञ्च | वि. | २७ | ७ | ६३५ | ५ | | |
| २४ | २ | ४२४ | पू. | ४४ | ५ | ४० | १० | ३० | ४९ | छत्र | ५० | ३३ | २७ | ११ | ६३४ | ६ | |
| २५ | ३ | ३१७ | उ. | ४१ | ५७ | ३४ | ७ | २९ | १३ | श्रीवत् | कं. | २७ | १४ | ६३३ | ७ | | |
| २६ | ४ | २१० | ह. | ३९ | ० | २७ | २५ | २४ | ४७ | सौम्य | कं. | २७ | १० | ६३२ | ८ | | |
| २७ | ५ | १०३ | र. | ३६ | २९ | १८ | १२ | १९ | ४२ | कालदंड | ७ | १४ | २७ | २९ | ६३१ | ९ | |
| २८ | ६ | ० | स्वा. | ३३ | ५२ | १२ | ४२ | १४ | १० | स्थिर | तु. | २७ | २४ | ६३० | १० | | |
| २९ | ७ | ५१ | वि. | ३० | २५ | ४ | ३४ | ८ | २१ | मातेग | १३ | २७ | २७ | २० | ६२९ | ११ | |
| ३० | ८ | ४२ | अ. | २७ | १८ | ४९ | १६ | ३ | १३ | अमृत | ४ | २७ | २१ | ६२८ | १२ | | |
| ३१ | ९ | ३३ | ज्य. | २४ | १० | ४१ | ४८ | ३ | ११ | काण | १९ | २७ | २७ | १४ | ६२७ | १३ | |
| ३२ | १० | २४ | मृ. | २१ | २ | ३४ | ४४ | ३ | ९ | लुम्ब | ४ | २७ | २६ | ६२६ | १४ | | |
| ३३ | ११ | १५ | पू. | १८ | १८ | २७ | ३८ | ३ | ७ | मित्र | २७ | २७ | २७ | ११ | ६२५ | १५ | |
| ३४ | १२ | ६ | श्र. | १५ | १० | २२ | ३३ | ३ | ५ | मुद्गर | ३ | २७ | २५ | ६२४ | १६ | | |
| ३५ | १३ | ० | ५१ | १२ | २ | १७ | २८ | ३ | ३ | केतु | ३९ | ५५ | २७ | ४९ | ६२३ | १७ | |
| ३६ | १४ | ५१ | ५० | ९ | ० | १३ | २३ | ३ | २ | घाना | कु. | २७ | ५३ | ६२२ | १८ | | |

धनिष्ठायां १ भूयः ४८
 म. ३२।४९ उ. उपायां २ मकरं बुधः ०।८
 म. १ १५ या उपायां ३ भौमः ४८
 E ६ अभिजित् भौमः ७ श्रवणे बुधः ७
 म. ४७।२ उ. धनिष्ठायां २ सूर्यः ५
 म. १४।१० या. अभिजित् बुधः १६ ७२५ बुधस्याभिजित्यागः ५७
 अष्टमी व्रतं K शततारकायां १ सूर्यः ५७ I भिजित्यागः ४३
 म. ५६।४६ उ. धनिष्ठायां १ कुम्भेऽर्कः २२।१ संक्रांतिः उपायां ४ भौमः E
 म. २३।५९ या S श्रवणे १ भौमः ३२ L ४० रेवत्यां शुक्रः ५८
 विजया एकादशी व्रतं पूर्वास्तो बुधः ३३
 प्रदोष व्रतं त्रिष्टुक्करः १३।९ उ. १४।१९ या. धनिष्ठायां ४ सूर्यः L
 म. १०।३६ उ. ३९।१३ या. श्री महाशिवरात्रि व्रतं (शिलाचह) S
 दर्शश्राद्धं द्वापरयुगादि धनिष्ठा पञ्चक प्रवृत्तिः ३९।५९ भौमस्या I
 मोनेदुप्यार्कः ४६ (नेपाल प्रजातद्विदिवस तथा त्रिभुवन जयन्ती) K

‡ साखदेवता गोविन्दः
 मासार्कः सूर्यः कुम्भे सूर्यः
 वृश्चिके चन्द्रः मेपेगुरुः
 तिथिवारं चेति पठेत् ।

| दि. | शु. | मं. | पू. | अ. | वि. | अनु. | उपा. | अभि. | श्र. | ध. | श. | पञ्च. | वि. | २७ | ७ | ६३५ | ५ |
|-----|-----|-----|-------|----|-----|------|------|------|------|---------|-----|-------|-----|-----|-----|-----|---|
| ४३ | १ | ६३० | म. | ४५ | १७ | ४५ | २६ | ३५ | २७ | पञ्च | वि. | २७ | ७ | ६३५ | ५ | | |
| ४४ | २ | ४२४ | पू. | ४४ | ५ | ४० | १० | ३० | ४९ | छत्र | ५० | ३३ | २७ | ११ | ६३४ | ६ | |
| ४५ | ३ | ३१७ | उ. | ४१ | ५७ | ३४ | ७ | २९ | १३ | श्रीवत् | कं. | २७ | १४ | ६३३ | ७ | | |
| ४६ | ४ | २१० | ह. | ३९ | ० | २७ | २५ | २४ | ४७ | सौम्य | कं. | २७ | १० | ६३२ | ८ | | |
| ४७ | ५ | १०३ | र. | ३६ | २९ | १८ | १२ | १९ | ४२ | कालदंड | ७ | १४ | २७ | २९ | ६३१ | ९ | |
| ४८ | ६ | ० | स्वा. | ३३ | ५२ | १२ | ४२ | १४ | १० | स्थिर | तु. | २७ | २४ | ६३० | १० | | |
| ४९ | ७ | ५१ | वि. | ३० | २५ | ४ | ३४ | ८ | २१ | मातेग | १३ | २७ | २७ | २० | ६२९ | ११ | |
| ५० | ८ | ४२ | अ. | २७ | १८ | ४९ | १६ | ३ | १३ | अमृत | ४ | २७ | २१ | ६२८ | १२ | | |
| ५१ | ९ | ३३ | ज्य. | २४ | १० | ४१ | ४८ | ३ | ११ | काण | १९ | २७ | २७ | १४ | ६२७ | १३ | |
| ५२ | १० | २४ | मृ. | २१ | २ | ३४ | ४४ | ३ | ९ | लुम्ब | ४ | २७ | २६ | ६२६ | १४ | | |
| ५३ | ११ | १५ | पू. | १८ | १८ | २७ | ३८ | ३ | ७ | मित्र | २७ | २७ | २७ | ११ | ६२५ | १५ | |
| ५४ | १२ | ६ | श्र. | १५ | १० | २२ | ३३ | ३ | ५ | मुद्गर | ३ | २७ | २५ | ६२४ | १६ | | |
| ५५ | १३ | ० | ५१ | १२ | २ | १७ | २८ | ३ | ३ | केतु | ३९ | ५५ | २७ | ४९ | ६२३ | १७ | |
| ५६ | १४ | ५१ | ५० | ९ | ० | १३ | २३ | ३ | २ | घाना | कु. | २७ | ५३ | ६२२ | १८ | | |

| | | |
|-----------|-------------|---|
| ११ | १० | ९ |
| १२ शु. | सू. मं. बु. | ८ |
| बृ. १ के. | ७ रा. | ६ |
| २ | ४ रा. | ५ |

| वि. | अ. | ज्ये. | शमनम् | मू. | पू. | उ. | अ. | वि. | अनु. | उपा. | अभि. | श्र. | ध. | श. | पञ्च. | वि. | २७ | ७ | ६३५ | ५ |
|-----|-----|-------|-------|-----|------|------|------|------|------|------|-------|------|----|----|-------|-----|----|---|-----|---|
| मू. | पू. | उ. | अ. | वि. | अनु. | उपा. | अभि. | श्र. | ध. | श. | पञ्च. | वि. | २७ | ७ | ६३५ | ५ | | | | |
| मू. | पू. | उ. | अ. | वि. | अनु. | उपा. | अभि. | श्र. | ध. | श. | पञ्च. | वि. | २७ | ७ | ६३५ | ५ | | | | |
| मू. | पू. | उ. | अ. | वि. | अनु. | उपा. | अभि. | श्र. | ध. | श. | पञ्च. | वि. | २७ | ७ | ६३५ | ५ | | | | |
| मू. | पू. | उ. | अ. | वि. | अनु. | उपा. | अभि. | श्र. | ध. | श. | पञ्च. | वि. | २७ | ७ | ६३५ | ५ | | | | |
| मू. | पू. | उ. | अ. | वि. | अनु. | उपा. | अभि. | श्र. | ध. | श. | पञ्च. | वि. | २७ | ७ | ६३५ | ५ | | | | |
| मू. | पू. | उ. | अ. | वि. | अनु. | उपा. | अभि. | श्र. | ध. | श. | पञ्च. | वि. | २७ | ७ | ६३५ | ५ | | | | |
| मू. | पू. | उ. | अ. | वि. | अनु. | उपा. | अभि. | श्र. | ध. | श. | पञ्च. | वि. | २७ | ७ | ६३५ | ५ | | | | |
| मू. | पू. | उ. | अ. | वि. | अनु. | उपा. | अभि. | श्र. | ध. | श. | पञ्च. | वि. | २७ | ७ | ६३५ | ५ | | | | |
| मू. | पू. | उ. | अ. | वि. | अनु. | उपा. | अभि. | श्र. | ध. | श. | पञ्च. | वि. | २७ | ७ | ६३५ | ५ | | | | |

(फाल्गुन) श्रीसूर्योत्तरायणे शिशिरर्तौ फाल्गुन कृष्ण नवम्यां
 तिथौ अनुराधानक्षत्रे व्याघातयोगे गरकरणे शनिवासरे श्रीसूर्यो-
 दयादगतघटीषुः २२।११ श्रीसूर्योमकराकुम्भराशिं प्रविष्टस्तदा माघोगतः फाल्गुनः प्राप्तः । चारता
 राक्षसी अन्यजसुखा नक्षत्रतो मन्दाकिनो जत्रियसुखा कालतो वैश्यतो विष्णुपदी नाभी कुम्भकान्तिश्च
 प्राक्षेयं-गजारूढा खरो वाहना रक्तवस्त्रा धनुरायुधा सायपात्रहस्ता दुःप्रशाना गोरोचनलेपा दधुजातिः
 विस्वपुण्या निविष्टा दुर्मुखावस्था कङ्कणाभरणा प्रौढा वायव्यमुखा सु ३० धान्यघं वृषु समफलदा

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|----|----|----|----|----|----|-----|
| ८८ | १० | ५५ | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० | | | | | | | |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |

त्रिपुष्करः ११११२ उ. चन्द्रोदयः
त्रिपुष्करः ६१४४ या. श्रवणे २ भौमः ५१ घनिष्ठायां बुधः १२
भ. ४०१३३ उ. कृत्तिकायां २ वृषे गुरुः ३०१२
भ. १२११३ या. धनिष्ठापञ्चक निवृत्तिः २२१८ मङ्गल चौथी शत-S
धनिष्ठायां ३ कुम्भे बुधः ५६१२
S तारकायां २ सूर्यः १६ अश्लेषायां १ जनिः ४४
भ. २६१५७ उ. ५११३५ या. शततारकायां ३ सूर्यः ३४ श्रवणे ३ R
जनिअष्टमी वतं होलिकारम्भः चीरोत्थानं (चिराये)
शततारकायां बुधः ३८
शततारकायां ४ सूर्यः ५३
भ. १२११३ उ. ४३१३६ या. (मार्च ३ ता. ३१) आमतकी ए. ज. X
X त्रिपुष्करः ४०१३६ उ. ६०१० या. श्रवणे ४ भौमः ११
पद्मोष वतं R भौमः १६ चित्रायां ३ राहुः अश्विन्यां १ केतुः ५१
भ. ४४१२० उ. पूमायां १ सूर्यः १२ U घनिष्ठायां ३ भौमः ४६
भ. १३११४ या. मन्वादि पूर्णिमा वतं वीरदाह (होलिपुनी) U

| ४५ | र. | मं. | कुं. | वृ. | लुं. | वा. | रा. |
|----|-----|-----|------|-----|------|-----|-----|
| का | १० | ९ | ९ | १११ | ३ | ६ | |
| ग | १० | १६ | २७ | ० | २० | २० | ३ |
| घ | १२४ | २ | ४३९ | २ | ३१ | | |
| ङ | १७८ | ३ | १७ | २७ | ३ | २१ | |
| च | ६० | ४५ | १०७ | ६ | २४ | ४ | ३ |
| छ | ६३ | २३ | १८ | ३१ | २४ | ३१ | ११ |

| ४६ | र. | मं. | कुं. | वृ. | लुं. | वा. | रा. |
|----|-----|-----|------|-----|------|-----|-----|
| का | १० | ९ | १० | १११ | ३ | ६ | |
| ग | १७ | १९ | ९ | १२३ | १९ | ३ | |
| घ | ४४९ | ४० | २ | ५५ | २९ | ९ | |
| ङ | १० | १९ | १४५ | २ | ० | १० | ४ |
| च | ६० | ५५ | १०९ | ७ | २२ | ४ | ३ |
| छ | १९ | २९ | २७ | ३१ | १४ | ११ | ११ |

| | | |
|----|----|---|
| १२ | १० | ९ |
| १ | ५ | ७ |
| ४ | ६ | ३ |

अथ शिवरात्रिव्रतमाहात्म्य-परात्परतरं नास्ति शिवरात्रिः परात्परं । येनाचरन्ति भूतेशं त्वं त्रिभुवनेश्वरम् । जन्तु जन्म सहस्रेषु भ्रमन्ते नात्र संशयः । वर्षे वर्षे महादेवी नरोनारी पतिव्रता । शिवरात्रौ महादेवं नित्यं भवत्या प्रपूजयेत् । अर्चयेत् यदि वा शुष्येत् कीयते हिमवानपि । चलन्त्यन्ते कदाचिद्वै निश्चलं हि शिवव्रतम् ॥ शिव उवाच-मम भक्तास्तु यो देवि शिवरात्रिं सुपोषकः । गणत्वमचर्यदिव्यं लभते शिवशाशनात् ॥ सर्वान् भुक्त्वा महाभोगान् ततोमोक्षं मवाप्नुयात् । ऐन्दवर्गं शक्तिं परिक्रम्य सद्भिलिङ्गं भगाङ्कितैः । तेन शब्देन सा पापा राक्षसां वृत्तिं माप्नुयात् । चौर भस्म धारणं मन्त्र-बन्दितासि सुरे-

| | | | | | | | | | | | | |
|----|----|----|----|----|----|----|----------|-----|----|----|----|----|
| २३ | १० | ५९ | १७ | वा | १० | ३० | छत्र | १९ | १८ | ४८ | ५८ | ६९ |
| २४ | १० | ५९ | १७ | वा | १० | ३० | श्रीवत्स | कं | २९ | २८ | ३९ | ४९ |
| २५ | १० | ५९ | १७ | वा | १० | ३० | सौम्य | रं | २९ | २८ | ३९ | ४९ |
| २६ | १० | ५९ | १७ | वा | १० | ३० | पूष | तु | २९ | २८ | ३९ | ४९ |
| २७ | १० | ५९ | १७ | वा | १० | ३० | प्रवर्ध | इ | २९ | २८ | ३९ | ४९ |
| २८ | १० | ५९ | १७ | वा | १० | ३० | राक्षस | हृ | २९ | २८ | ३९ | ४९ |
| २९ | १० | ५९ | १७ | वा | १० | ३० | मुसल | ठं | २९ | २८ | ३९ | ४९ |
| ३० | १० | ५९ | १७ | वा | १० | ३० | सिद्धि | घं | २९ | २८ | ३९ | ४९ |
| ३१ | १० | ५९ | १७ | वा | १० | ३० | उत्पात | ४ | २९ | २८ | ३९ | ४९ |
| ३२ | १० | ५९ | १७ | वा | १० | ३० | मानस | मं | २९ | २८ | ३९ | ४९ |
| ३३ | १० | ५९ | १७ | वा | १० | ३० | छत्र | मं | २९ | २८ | ३९ | ४९ |
| ३४ | १० | ५९ | १७ | वा | १० | ३० | श्रीवत्स | नं | २९ | २८ | ३९ | ४९ |
| ३५ | १० | ५९ | १७ | वा | १० | ३० | सौम्य | कुं | २९ | २८ | ३९ | ४९ |
| ३६ | १० | ५९ | १७ | वा | १० | ३० | काजदल | ७ | २९ | २८ | ३९ | ४९ |

त्रिपुकरादि ५२ उ. वसन्तादि तैलाम्यङ्गः ५२ धान्यवृष्टिपुसमफलदा
 पूमायां २ सूर्याः २२ मासदेवता विष्णु मासा-
 भ. २१७४ उ. २९७७ या. कोवेदाङ्गः मीनेसूर्यः
 + धनिष्ठायां २ कुम्भे भौमः २३ ५५ () धनुषिचन्द्रः बृषे गुरुः
 पूमायां २ सूर्याः ५२ धनिष्ठायां २ भौमः २३ इति ।

म. १२३५ उ. ३९३७ या.
 अश्विनी व्रतं (बुधु ज्योतिष्यां) पूमायां ४ मीने बुधः २६५
 शीतलाष्टमी † चक्री शुक्रः ४ () उभायां बुधः १९
 म. २३३६ उ. ५११७ या. पूमायां ४ मीनेर्कः १२२० संक्रान्तिः +
 पापमोचनी एकादशी व्रतं
 कृत्तिकायां २ गुरुः २० चूतकुशुमप्राशनं (पुलया) पूमायां बुधः ५६
 म. ४३१४ उ. प्रदोषव्रतं धनिष्ठापञ्चक प्रवृत्तिः ०२४ उभायां S
 म. १३१२ या. (पालाचह) धनिष्ठायां ४ भौमः ४७ पश्चिमोदितो N
 सन्वादि दर्शभाद्र पौषा (अश्व) याया N ५० S ३ मार्ग २३

[illegible]

| | | |
|----|----|----|
| ੧੨ | ੧੦ | ੧੪ |
| ੧੧ | ੧੩ | ੧੨ |
| ੧੦ | ੧੧ | ੧੨ |

| | | | | | | | | | | | | | | |
|------------|--------|--------|--------------|---------|-----------|----------|--------------|-------|---------|----------|------|-------|--------------------------------|--------|
| चन्द्रम फल | रूपभयं | कर्मम् | जीविषे | तामः | कार्यानां | कुसिद्धक | श्रीप्राप्ति | घनना | अन्नाला | व्ययः | तामः | सुखम् | सू. पू. ल. | गमनम् |
| रा. | मे. | बु. | मि. | कं. | मि. | कं. | वै. | तु. | घ. | मे. | कुं. | मं. | अ. प्र. ल. पू. ल. . . . | सुखम् |
| पूर्वफलं | व्ययः | तामः | श्रीप्राप्ति | कान्तिच | तम् | गमनम् | सुखना | नियम् | मानना | प्राप्ति | भयम् | गमनम् | रो. प्र. प्रा. ल. पू. ल. . . . | वज्रम् |
| | | | | | | | | | | | | | म. पू. ल. | हानि |
| | | | | | | | | | | | | | व. प्र. ल. पू. ल. | अनम् |

(चैत्र) श्रीसूर्यास्तारायणे वसन्तर्तौ चैत्र कृष्ण दशम्यां तिथौ पू.
षा. नक्षत्रे वरीयसे योगे वणिज करणे सोमवासरे श्रीसूर्योदयाद्वात
घडीपु १२।२० श्रीसूर्य. शुभभास्वन्ति प्रविशस्तवा. विधिरहः। तारुण्यौ
गतौ वसन्तर्तुः चैत्रौ प्राप्ता। वारहोध्यासी वैश्यमुखे नक्षत्रतो वीरा
त्याजना जीनसंक्रान्तिरचप्राप्तेयं सचिप्रासुखादधीपवाहना ययामवस्था
दनायावकलेषा नक्षत्राणि। नक्षत्राणां

श्री वि. सं. २०३३ शके १८९९ (नेपाली सं० १०९७ चौलाथ्व) चैत्र शुक्ल उत्तरायण वसन्ततुः पा. उभा. अश्वि. पूषा. उषा. चि. (मार्च-अप्रैल)

| ७ र. | १४५५० उ. | ३६४५ सु. | २३११ कि. | १४४६ स्थिर | मी. | २९५७ द. | १२० |
|-------|------------|----------|----------|-------------|------|---------|-----|
| ८ र. | २४९ ८ रे. | ४११९ व. | २२४४ वा. | १७२९ मातंग | ४११९ | ३० १ | ६ ० |
| ९ र. | ३५३ २५ अ. | ४६५३ तु. | २३७७ तै. | २११६ जमुत | मे. | ३० ५ | ५५९ |
| १० र. | ४५७ २४ म. | ५३४० वि. | २४६० व. | २५५४ काण | मे. | ३० ९ | ५५८ |
| ११ र. | ५६० ० क. | ५९४० वि. | २५३० व. | २९३३ लुग्न | २९३३ | ३० १४ | ५५७ |
| १२ र. | ६६३ ४० ग. | ६५४० वि. | २६०० व. | ३३१७ मित्र | वृ. | ३० १८ | ५५६ |
| १३ र. | ७६६ ३० घ. | ७१२० वि. | २६७० व. | ३६९७ धीवत्त | २९ ७ | ३० २२ | ५५६ |
| १४ र. | ८६९ २० ङ. | ७७०० वि. | २७४० व. | ४०७७ मौम्य | मि. | ३० २६ | ५५५ |
| १५ र. | ९७२ १० च. | ८२८० वि. | २८१० व. | ४४५७ शालदेव | मि. | ३० ३० | ५५४ |
| १६ र. | १०७५ ० छ. | ८८६० वि. | २८८० व. | ४८३७ स्थिर | ५१९ | ३० ३४ | ५५३ |
| १७ र. | ११७८ ५० ज. | ९४४० वि. | २९५० व. | ५२१७ मातंग | क. | ३० ३९ | ५५२ |
| १८ र. | १२८१ ४० ङ. | १००० वि. | ३०२० व. | ५५९७ जमुत | २५५० | ३० ४३ | ५५१ |
| १९ र. | १३८४ ३० च. | १०६० वि. | ३०९० व. | ५९७७ काण | लि. | ३० ४७ | ५५० |
| २० र. | १४८७ २० छ. | ११२० वि. | ३१६० व. | ६३५७ लुग्न | ४० ३ | ३० ५१ | ५४९ |
| २१ र. | १५९० १० ज. | ११८० वि. | ३२३० व. | ६७३७ मित्र | क. | ३० ५५ | ५४८ |
| २२ र. | १६९३ ० ङ. | १२४० वि. | ३३०० व. | ७११७ वज्र | ४९३२ | ३१ ० | ५४७ |

मेघेद्वयार्कः ४३ वत्सरादि तैलाभ्यङ्गं निम्बपत्रप्राशनं (बोवाहाहव) R
 चन्द्रोदयः धनिष्ठापञ्चक निवृत्तिः ४११९ रेवत्यां बुधः ५९
 मन्वादि मत्स्य जयन्ती गौरीव्रतं R उभायां २ सूर्यः ५५
 भ. २५५४ उ. ५८१२४ या. शततारकायां १ भौमः ०१२३
 उभायां ३ सूर्यः १६ Q शततारकायां ३ भौमः ३५
 O आनुपर्वः उभायां ४ सूर्यः ३८ शततारकायां २ भौमः ५३
 द्विपुष्करः ०५२ उ. K कृत्तिकायां ४ गुरुः ५६ पुनर्उभायां शुक्रः ५१
 भ. १३३० उ. ४५१२२ या. द्विपुष्करः १२१६ या. रविसप्तमी O
 सोमाष्टमी व्रतं चैत्राष्टमी भवान्युत्पत्तिः अशोक कलिका प्राशनं P
 श्रीराभनवमी व्रतं X २२ धारा स्नान) शततारकायां ४ भौमः २९
 भ. ५१२३ उ. अश्विन्यां १ मेघेबुधः २०३४ P (जमया)
 भ. २१२७ या. कामदा एकादशी व्रतं रेवत्यां १ सूर्यः ०१२३ Q
 प्रदोष व्रतं (अग्रल ४ ता. ३०)
 पश्चिमास्तः शुक्रः ४७१४२
 भ. १७३८ उ. ४२१३० या. पूर्णिमा व्रतं रेवत्यां २ सूर्यः २३ K
 मन्वादि हनुमज्जयन्ती (परिच १ नं. सुवाकोट् देवीयात्रा, वासमयूमा X

| ४९ र. | १११० | ११ | १११ | ३ |
|-------|------|----|-----|---|
| ५० र. | १११० | ११ | १११ | ३ |
| ५१ र. | १११० | ११ | १११ | ३ |
| ५२ र. | १११० | ११ | १११ | ३ |
| ५३ र. | १११० | ११ | १११ | ३ |
| ५४ र. | १११० | ११ | १११ | ३ |
| ५५ र. | १११० | ११ | १११ | ३ |
| ५६ र. | १११० | ११ | १११ | ३ |
| ५७ र. | १११० | ११ | १११ | ३ |
| ५८ र. | १११० | ११ | १११ | ३ |
| ५९ र. | १११० | ११ | १११ | ३ |



चत्र कृष्ण चतुर्दश्यां केदार कुण्डोदक पानं—चैत्र कृष्ण चतुर्दश्यामुपवासं विधाय च । केदारोदक पानेन तद्वानन्तं फलं लभेदिति । चैत्रकृष्ण चतुर्दश्यां यः स्नायाच्छिव सन्निधौ । न प्रेतत्वमवाप्नोति गङ्गायांश्च विशेषतः । चैत्र संक्रान्ति का दिन पानि पय्यो भने वैशाख या ज्येष्ठ मा वां स खूब बढने छ । चैत्र कृष्ण अष्टमी तथा चतुर्दशी का दिन पानि नपरी खाली बदली मात्र भयो र उत्तर तर्फ को वायु चल्थो भने सुमिन्न भै अन्न सरतो हुन्छ । चैत्रशुक्ल प्रतिपदा का दिन बिहान गाँउको बाहिर पवित्र ठाउमा पताका राखी लिङ्गो गाडनु र वायुको विधिपूर्वक पूजा गर्नु र सो पताका विशेष कुनदिशा तर्फ उड्दछ हेनु र पूर्व, पश्चिम, उत्तर र ईशानमा असल हुन्छ अरु दिशामा खराब हुन्छ ।

(अप्रैल)

द्विपुष्कर ५२३ उ. १७ ५४ या. (बुगह्व)
 म. २६।५५ उ. ५३।५६ या. रेवत्यां ३ सूर्यः ४६
 पूर्वोदितः शुक्रः ५।४४ (सकोया)
 + रेवत्यां ४ सूर्यः ५०
 म. ३६।१४ उ. प्रभायां १ भौमः १२
 म. ३।३६ या रविसप्तमी भानुपर्वः अष्टमी वतं भरण्यां बुधः ११ +
 ☾ विस्फोटको लिङ्गो दाहने)
 म. ५१।९ उ.
 म. ११।४४ या. अश्विन्यां १ मेषैकः ३४।३५ संक्रान्तिः (भक्तपुरमा ☾

सु. १ कं.

११ मं.

सु. १२ सु.

१०

४ श.

७ रा.

गोडनु र सातले भाग लिनु १ शेष रहे शिवजीको कैलाशमा वास २ रहे गौरीका साथ ३ रहे साँडे माथी ४ रहे सभामा ५ रहे भोजनमा, ६ मा क्री
 न्छ तसर्थ ६ र ० शेष छाडी अरु शेषमा गर्नु हुन्छ । उदाहरण—शुक्लपक्षको पञ्चमी ५ भयो दुईले गुन्दा १० भयो त्यसमा पाँच जोड्दा १५ भयो
 गौँकि रह्यो रुद्रि गर्नु न्छ । तिथि गुन्दा शुक्ल प्रतिपदा १ द्वितीया २ एवं रित्या पूर्णिमा १५ कृष्ण प्रतिपदा १६ कृ. द्वितीया १७ र औंसी ३० तिथि हुन्छ